

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 493]

रायपुर, मंगलवार, दिनांक 3 सितम्बर 2024 — भाद्रपद 12, शक 1946

उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2024

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-10/2008/38-2. — छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 619/पी.यू./एस.एण्ड ओ./2008/20503, दिनांक 26-07-2024 द्वारा मैट्स विश्वविद्यालय, गुल्लू, आरंग, जिला-रायपुर के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 144 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29(2) के तहत किया गया है।

2/ राज्य शासन, एतद्द्वारा, उपरोक्त अध्यादेश को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।

3/ उपरोक्त अध्यादेश 1 जुलाई, 2024 से भूतलक्षी प्रभाव से प्रवृत्त होगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर.पी. पाण्डेय, उप-सचिव.

अध्यादेश क्रमांक 144

मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर द्वारा संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम

संचालन हेतु

एनईपी-2020 के अनुसार

सत्र 2024-25 से प्रभावी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित कार्यक्रमों को छोड़कर सभी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश लागू है।

अध्यादेश क्रमांक 144

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित कार्यक्रमों को छोड़कर सभी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश लागू है।

प्रस्तावना

मैट्स विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUP) और नवीन लचीले स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शुरुआत, हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप सावधानीपूर्वक निर्मित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को अधिक समग्र, बहुविषयक और लचीला बनाना है। हमारा उद्देश्य निरंतर परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में छात्रों को सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना है।

मैट्स विश्वविद्यालय में FYUP को व्यापक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जो छात्रों को उनकी आकांक्षाओं और उनके कैरियर के लक्ष्यों के अनुसार अपनी सीखने की यात्रा को अनुकूलित करने की सुविधा प्रदान करता है। पाठ्यक्रम की संरचना का निर्माण अनेक प्रवेश और निकास बिंदुओं के आधार पर यह सुनिश्चित करते हुए की गई है कि छात्र अपनी शैक्षणिक प्रगति के विभिन्न चरणों में मूल्यवान योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल विविध शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूर्ण करेगा अपितु उच्च शिक्षा में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ भी संरेखित होगा।

FYUP की एक प्रमुख विशेषता इसकी प्रवेश और निकास नीति है, जो छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान प्रमाण-पत्र अर्जित करने के अनेक अवसर प्रदान करती है। छात्रों के पास अपने चुने हुए विषय में प्रमाण-पत्र अर्जित करके पहला वर्ष पूर्ण करने के उपरांत निकास करने का विकल्प होता है। यह उन लोगों के लिए एक प्रारंभिक प्रमाण-पत्र प्रदान करता है जिन्हें कार्यबल में प्रवेश करने या अन्य अवसरों का पीछा करने की आवश्यकता हो सकती है। दूसरा वर्ष पूर्ण करने के उपरांत, छात्र डिप्लोमा के साथ निकास कर सकते हैं, जिससे उनकी योग्यता और रोजगार क्षमता में और वृद्धि होगी। तीसरा वर्ष पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी, जो विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों के लिए एक ठोस शैक्षणिक आधार और तैयारी प्रदान करेगी। जो छात्र शोध पर ध्यान केंद्रित करते हुए चौथा वर्ष पूर्ण करने का विकल्प चुनते हैं, उन्हें शोध के साथ स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। यह

विकल्प उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभदायक है जो शोध और विकास में उन्नत अध्ययन या करियर बनाने का इरादा रखते हैं।

FYUP पाठ्यक्रम मुख्य विषयों, ऐच्छिक विषयों और व्यावहारिक अनुभवों को एकीकृत करता है, जो महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विभिन्न विषयों की व्यापक समझ में वृद्धि करता है। यह बहु-विषयक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि छात्र जटिल वास्तविक दुनिया की समस्याओं से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार और सुसज्जित हैं। पाठ्यक्रम अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग इंटर्नशिप और सामुदायिक जुड़ाव पर जोर देते हुए यह सुनिश्चित करता है कि छात्र समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों। अंतःविषयक शिक्षा और अभिनव शिक्षा शास्त्र को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो न केवल अपने संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञ हों बल्कि जिम्मेदार वैश्व नागरिक भी हों।

मैट्स यूनिवर्सिटी में नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उन्नत शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्मित किए गए हैं, जिसके अंतर्गत लचीलेपन और उद्योग प्रासंगिकता पर जोर दिया गया है। ये पाठ्यक्रम हमारे छात्रों की विविध आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को यह सुनिश्चित करते हुए पूर्ण करते हैं कि वे आधुनिक दुनिया की मांगों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम उन छात्रों के लिए आदर्श है जिन्होंने शोध के साथ चार वर्षीय स्नातक का पाठ्यक्रम पूर्ण कर डिग्री प्राप्त की है। यह एक केंद्रित और गहन शिक्षण अनुभव प्रदान करता है, जिसके फलस्वरूप छात्रों को कम समय-सीमा में विशेष ज्ञान और कौशल प्राप्त करने की अनुमति प्राप्त होती है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो अपनी योग्यता को तेजी के साथ कुशलता से बढ़ाना चाहते हैं।

दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एक व्यापक और गहन शैक्षणिक अनुभव प्रदान करता है। छात्रों के पास स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ प्रथम वर्ष के उपरांत निकास करने का विकल्प होता है, जो एक अतिरिक्त प्रमाण पत्र प्रदान करता है जिसके फलस्वरूप उनके करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है। यह निकास विकल्प सुनिश्चित करता है कि छात्र अभी भी अपने अध्ययन से लाभ उठा सकते हैं, भले ही उन्हें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूर्ण करने से पूर्व निकास करने की आवश्यकता हो। दो वर्षीय पाठ्यक्रम छात्रों की विशेषज्ञता को गहन करने, नवीन शोध को बढ़ावा देने और उनकी समस्या-समाधान क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए निर्मित किया गया है। उद्योग जुड़ाव, इंटर्नशिप और सामुदायिक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हमारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि स्नातक अपने चुने हुए व्यवसायों और बड़े पैमाने पर समाज में प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

मैट्स विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में प्रासंगिक कार्य अनुभव को उचित महत्व दिया जाता है। यह नीति शैक्षणिक वातावरण के बाहर अर्जित व्यावहारिक ज्ञान और कौशल के मूल्य को मान्यता प्रदान करती है, तथा यह सुनिश्चित करती है कि हमारे पाठ्यक्रम विविध प्रकार के छात्रों के लिए सुलभ हों, जिनमें

अपने करियर को आगे बढ़ाने के इच्छुक कार्यरत पेशेवर भी शामिल हैं। कार्य अनुभव को महत्व देते हुए, हम व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान क्षमताओं के महत्व को स्वीकार करते हैं जो अकादमिक शिक्षा का विकास करते हैं।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अनुभवात्मक शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग सहभागिता पर जोर देते हैं। इन तत्वों को पाठ्यक्रम में एकीकृत करके, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्नातक न केवल अकादमिक रूप से कुशल हों, बल्कि उनके पास अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल और उद्योग संबंधी अंतर्दृष्टि भी हो। यह दृष्टिकोण नवाचार को बढ़ावा देता है और छात्रों को कार्यबल और समाज में प्रभावी योगदान देने के लिए तैयार करता है। ये पाठ्यक्रम अकादमिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच की खाई को पाटने के लिए तैयार किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे स्नातक नौकरी के लिए तैयार हों और अपने संबंधित क्षेत्रों में प्रगति करने में सक्षम हों।

मैट्स विश्वविद्यालय एक समावेशी और गतिशील शिक्षण वातावरण प्रदान करता है, जहां छात्र अकादमिक, व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से उन्नति कर सकते हैं। NEP 2020 द्वारा परिकल्पित FYUP और नए लचीले स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम एक जीवंत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करते हैं जो आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और आजीवन सीखने को बढ़ावा देता है। हमारे कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और वैश्विक समुदाय की उभरती जरूरतों को पूर्ण करने के लिए तैयार किए गए हैं। हम शिक्षा में अनुकूलनशीलता के महत्व को पहचानते हैं, और हमारी लचीली प्रवेश और निकास नीतियाँ इसका प्रमाण हैं। हमारे विद्यार्थियों को अनेक रास्ते प्रदान करके और उनके विविध अनुभवों को स्वीकार करके, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि मैट्स विश्वविद्यालय में शिक्षा सुलभ, प्रासंगिक और प्रभावशाली हो।

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ

- 1.1 अध्यादेश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश कहा जाएगा, सिवाय बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर या किसी विशिष्ट कार्यक्रम से संबंधित किसी अन्य नियामक निकाय द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित को छोड़कर।
- 1.2 यह अध्यादेश शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होगा।
- 1.3 अध्यादेश का प्रावधान मैट्स विश्वविद्यालय के परिनियम संख्या 16 के अनुसार अनुमोदित तीन वर्षीय (छह सेमेस्टर) स्नातक डिग्री या चार वर्षीय (आठ सेमेस्टर) स्नातक डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स), एक वर्षीय/दो वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम पर लागू होगा, सिवाय बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर या किसी विशिष्ट कार्यक्रम से संबंधित किसी अन्य नियामक संस्था द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित के।

Table: 1

क्रमांक	संकाय	पाठ्यक्रम
1	प्रबंधन संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) • मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) • पीएच.डी.
2	सूचना प्रौद्योगिकी संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी.) • बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) • मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) • पीएच.डी.
3	वाणिज्य संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम.) • बैचलर ऑफ कॉमर्स (ऑनर्स) • मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.) • पीएच.डी.
4	विज्ञान संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी.) • बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) • बैचलर ऑफ डिजाइन • मास्टर ऑफ डिजाइन • मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) • पीएच.डी.

5	जीव विज्ञान संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी.) • बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) • मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) • पीएच.डी.
6	कला और मानविकी संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स) • बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी.) • बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स) • बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बीएसडब्ल्यू) • बैचलर ऑफ आर्ट्स (बी.ए.) • बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (बी.लिब. आई.एससी.) • मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) • मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) • मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (एम. एल.आई.एससी.) • पीएच.डी.
7	इंजीनियरिंग संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.) • बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (ऑनर्स) • मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी • पीएच.डी.
8	शिक्षा संकाय	<ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) • एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आई टी ई पी) (बी.ए. बी.एड./बी.एससी. बी.एड./बी.काम बी.एड.) • मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) • बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड.) • मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.) • पीएच.डी.

2. परिभाषा एवं मुख्य शब्द

- 2.1 "अधिनियम" का तात्पर्य छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 एवं उसके बाद के संशोधनों से है।
- 2.2 "विश्वविद्यालय" का अर्थ है छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के तहत स्थापित मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।

- 2.3 **"छात्र"** का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जिसे मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा समय-समय पर स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तय की गई प्रक्रिया के अनुसार इस विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है।
- 2.4 **"च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)"** का तात्पर्य एक ऐसा कार्यक्रम है जो छात्रों को यूजीसी/संबंधित नियामक निकाय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रमों (कोर कोर्स, अनिवार्य पाठ्यक्रम, प्रोफेशनल कोर, प्रोफेशनल इलेक्टिव, ओपन इलेक्टिव, माइनर ट्रैक, वैल्यू एडेड, एबिलिटी एन्हांसमेंट, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स आदि) में से चुनने का विकल्प प्रदान करता है। जहाँ भी लागू हो और विश्वविद्यालय के उपयुक्त निकायों द्वारा अनुमोदित हो।
- 2.5 **"पाठ्यक्रम"** का अर्थ वितरण के विभिन्न तरीकों के माध्यम से "पेपर" से है तथा यह किसी कार्यक्रम का एक घटक है, जैसा कि संबंधित कार्यक्रम संरचना में विस्तृत रूप से बताया गया है।
- 2.6 **"क्रेडिट प्वाइंट"** का अर्थ किसी पाठ्यक्रम के लिए ग्रेड प्वाइंट और क्रेडिट की संख्या का गुणनफल है।
- 2.7 **"क्रेडिट"** का अर्थ है एक इकाई जिसके द्वारा कोर्स वर्क को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट प्रति सप्ताह एक घंटे की पढ़ाई (व्याख्यान, ट्यूटोरियल या सेमिनार) या प्रति सप्ताह दो घंटे के व्यावहारिक कार्य/क्षेत्र कार्य/प्रोजेक्ट आदि के बराबर होता है। प्रत्येक कोर्स के लिए क्रेडिट की संख्या संबंधित परीक्षा योजना में परिभाषित की जाएगी।
- 2.8 **"संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए)"** का अर्थ है सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र संचयी प्रदर्शन का माप सीजीपीए संबंधित सेमेस्टर तक पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट पॉइंट और संबंधित सेमेस्टर में सभी पंजीकृत पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट पॉइंट के योग का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।
- 2.9 **"सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट एवरेज (एसजीपीए)"** का अर्थ है किसी विशेष सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन का माप। यह एक सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर में सभी पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।
- 2.10 **"ग्रेडवाइंट"** का अर्थ है 10-पॉइंट स्केल पर या समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रत्येक अक्षर ग्रेड के लिए आवंटित संख्यात्मक भार।
- 2.11 **"लेटर ग्रेड"** का अर्थ किसी पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रदर्शन का सूचकांक है। ग्रेड को O, A+, A, B+, B, C, P, F और AB अक्षरों से दर्शाया जाता है।
- 2.12 **"सेमेस्टर"** का अर्थ 14-20 सप्ताह के शिक्षण कार्य में फैला एक शैक्षणिक सत्र है। विषम सेमेस्टर आमतौर पर जुलाई से दिसंबर तक और सम सेमेस्टर जनवरी से जून तक निर्धारित किया जा सकता है।
- 2.13 **"ग्रेड शीट"** का अर्थ अर्जित ग्रेड के आधार पर एक प्रमाण पत्र है। प्रत्येक सेमेस्टर के बाद परीक्षा के लिए पंजीकृत सभी छात्रों को ग्रेड शीट जारी की जाएगी। ग्रेड शीट में पाठ्यक्रम विवरण (कोड, शीर्षक, क्रेडिट की संख्या, ग्रेड अर्जित) के साथ-साथ सेमेस्टर का एसजीपीए और उस सेमेस्टर तक अर्जित सीजीपीए शामिल होगा। अंतिम सेमेस्टर ग्रेड शीट में आवंटित अधिकतम अंकों में से सभी सेमेस्टर में छात्र द्वारा प्राप्त अंकों का संचयी योग भी प्रतिबिंबित होगा, जिसके लिए पाठ्यक्रम के ग्रेड का मूल्यांकन किया गया था। हालाँकि, अंतिम परिणाम ग्रेड/सीजीपीए पर आधारित होगा।
- 2.14 **"प्रतिलेख"** का अर्थ पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद पाठ्यक्रम में सभी नामांकित छात्रों को जारी किया गया प्रमाण पत्र है। इसमें सभी सेमेस्टर का एसजीपीए और सीजीपीए शामिल है।

- 2.15 "एनईपी" का मतलब राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 है।
- 2.16 "एनएसक्यूएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा है।
- 2.17 "एनएचईक्यूएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित "एनएचईक्यूएफ" राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता ढांचा है।
- 2.18 "यूसीएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित एकीकृत क्रेडिट स्तर है।
- 2.19 "अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 4.5/यूसीएफ स्तर 5 की आवश्यकता पूरी कर ली है।
- 2.20 "अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 5/यूसीएफ 6 की आवश्यकता पूरी कर ली है।
- 2.21 "बैचलर डिग्री" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 5.5 /यूसीएफ स्तर 7 की आवश्यकता पूरी कर ली है।
- 2.22 "बैचलर डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च)" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 6/यूसीएफ स्तर 8 की आवश्यकता पूरी कर ली है।
- 2.23 "पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स" 2-वर्षीय पीजी: 3-वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के बाद 2 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र या 1 वर्षीय पीजी : 4 वर्षीय यूजी ऑनर्स/ ऑनर्स रिसर्च के साथ कार्यक्रम के बाद 1 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र ।
- 2.24 "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स" पीजी पाठ्यक्रम के लिए, दो-वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा। प्रथम वर्ष के अंत में बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से प्रदान किया जाएगा।
- 2.25 "पाठ्यक्रम पंजीकरण" का तात्पर्य उचित रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय में संकाय सलाहकार (जिसे संरक्षक, परामर्शदाता, कक्षा शिक्षक आदि भी कहा जाता है) की देखरेख में प्रत्येक छात्र द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन के पाठ्यक्रमों में पंजीकरण को संदर्भित करता है।
- 2.26 "पाठ्यक्रम मूल्यांकन" शिक्षण-सीखने प्रक्रिया की प्रक्रिया के प्रभाव के माप का प्रतिनिधित्व करता है और पाठ्यक्रमों और शिक्षण प्रदर्शन में सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक अवसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम मूल्यांकन परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, असाइनमेंट इत्यादि जैसे विभिन्न तरीकों को अपनाकर शिक्षण-सीखने की अवधि के दौरान पाठ्यक्रम सामग्री के कुछ मॉड्यूल या अध्यायों के अंत में और सेमेस्टर का अंत। जबकि मूल्यांकन के पूर्व भाग को सतत आंतरिक मूल्यांकन कहा जाता है और मूल्यांकन के बाद के भाग को अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन कहा जाता है।
- 2.27 "क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम संरचना" प्रत्येक पाठ्यक्रम में क्रेडिट की एक निर्धारित संख्या होती है। क्रेडिट पाठ्यक्रम संरचना पर आधारित होते हैं, जिसमें शिक्षण मोड और व्याख्यान, ट्यूटोरियल और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए संपर्क घंटों की संख्या शामिल है। क्रेडिट संपर्क घंटों की संख्या, पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण पद्धति और आवंटित अधिकतम अंकों पर आधारित होते हैं। क्रेडिट विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाएंगे। क्रेडिट की गणना निम्नानुसार की जा सकती है :
- 12-15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह एक घंटे का सिद्धांत/ ट्यूटोरियल दो घंटे का प्रयोगशाला कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।
 - इंटर्नशिप के लिए क्रेडिट प्रशिक्षण के प्रति सप्ताह एक क्रेडिट होगा, जो एक सेमेस्टर में अधिकतम छह क्रेडिट के अधीन होगा।
 - परियोजना/निबंध: 12-15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह दो घंटे का परियोजना/अनुसंधान कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।

2.28 "एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी)" एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), एक राष्ट्रीय स्तर की सुविधा है जो उचित "क्रेडिट ट्रांसफर" तंत्र के साथ देश में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में छात्रों के पाठ्यक्रम ढांचे के लचीलेपन और अंतःविषय/बहुविषयक शैक्षणिक गतिशीलता को बढ़ावा देगी।

2.29 "मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट" "मल्टीपल एंट्री -एग्जिट" का अर्थ है एचईआई में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों में कई प्रविष्टियां और निकास बिंदु जो कठोर सीमाओं को हटा देंगे और छात्रों के लिए नई संभावनाएं पैदा करेंगे। ऐसे अवसर आते हैं जब विभिन्न कारणों से विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ती है। निर्धारित अवधि के भीतर लचीली शिक्षा की सुविधा के लिए, जरूरतमंद छात्रों को कई निकास और प्रवेश विकल्प दिए जाते हैं। छात्र केवल सम सेमेस्टर (दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर) के अंत में ही पाठ्यक्रम से बाहर निकल सकता है और छात्रों को विषम सेमेस्टर (तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर) की शुरुआत में प्रवेश का विकल्प प्रदान किया जाता है।

3 प्रवेश हेतु पात्रता:

- 3.1 इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश नियम और दिशा-निर्देश यूजीसी और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार होंगे।
- 3.2 वह छात्र जिसने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, छत्तीसगढ़ से ग्रेड 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है या राज्य और केंद्र सरकार और अन्य वैधानिक निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य बोर्ड से समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है या संबंधित नियामक निकाय द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करता है, ऐसी स्थिति में इन स्नातक कार्यक्रमों के लिए बाद वाली शर्तें लागू होंगी।

सीटों की संख्या :

- 3.3 किसी पाठ्यक्रम में छात्रों का नामांकन विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा विधिवत अनुमोदित सीटों तक ही सीमित रहेगा। सीटों में अतिरिक्त वृद्धि अकादमिक परिषद और प्रबंधन बोर्ड के अनुमोदन के बाद की जा सकती है।
- 3.4 इस अध्यादेश के प्रावधानों के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश क्षमता का निर्धारण पहले ही कर लिया जाएगा और यह शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होगी।
- 3.5 उपलब्ध शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रथम डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष, तीसरे वर्ष, चौथे वर्ष में पार्श्व प्रवेशकों के लिए कार्यक्रम के पिछले वर्ष के लिए स्वीकृत सीटों की अधिकतम 10 सीटें निर्धारित कर सकता है, यदि छात्रों ने किसी संस्थान में उसी कार्यक्रम के पहले वर्ष/दूसरे वर्ष/तीसरे वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और सीजीपीयूआरसी को सूचना देकर पढ़ाई में ब्रेक के बाद कार्यक्रम में फिर से प्रवेश करना चाहता है।
- 3.6 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रवेश और अतिरिक्त सीटें
 - 1 विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उनके द्वारा धारित प्रवेश योग्यता की समतुल्यता के आधार पर प्रवेश दे सकता है। समतुल्यता का निर्धारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) या यूजीसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए मान्यता प्राप्त किसी अन्य निकाय या देश के संबंधित नियामक निकायों द्वारा किया जाना है। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने के लिए पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया अपना सकता है।
 - 2 विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत कुल नामांकन के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% तक अतिरिक्त सीटें बना सकता है। 25% अतिरिक्त सीटों के बारे में निर्णय संबंधित उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा बुनियादी ढांचे,

संकाय और अन्य आवश्यकताओं पर विचार करते हुए नियामक निकायों द्वारा जारी किए गए विशिष्ट दिशा-निर्देशों/विनियमों के अनुसार किया जाना चाहिए।

- 3 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% अतिरिक्त सीटों में संस्थानों के बीच या भारत सरकार और अन्य देशों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रस्तावित विनियम कार्यक्रमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्र शामिल नहीं होंगे।
- 4 बुनियादी ढांचे और योग्य संकाय की उपलब्धता के आधार पर, जहां भी संभव हो, इन 25: सीटों को उच्च शिक्षण संस्थान के सभी विभागों, स्कूलों, केंद्रों या किसी अन्य शैक्षणिक इकाई के बीच वितरित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- 5 स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही कार्यक्रमों में अतिरिक्त सीटें केवल अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए होंगी। अतिरिक्त श्रेणी में रिक्त रह गई सीट अंतरराष्ट्रीय छात्र के अतिरिक्त किसी अन्य को आवंटित नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाएगा जिसके पास विदेशी पासपोर्ट होगा।
- 6 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अतिरिक्त सीटें बनाने के प्रावधान को समय-समय पर नियामक निकायों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों/नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय के वैधानिक निकाय /निकायों के अनुमोदन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

3.7 राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय छात्रों द्वारा इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज (टीसीध्सीसीध्माइग्रेशन आदि) नियामक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार या प्रबंधन बोर्ड से पूर्व अनुमोदन के साथ अकादमिक परिषद द्वारा तय किए जाएंगे।

3.8 शैक्षणिक कार्यक्रमों में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं को सक्षम करने के लिए, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री जैसी योग्यताएं स्तर 4.5 से स्तर 6 तक बढ़ते क्रम में स्तरों की एक श्रृंखला में व्यवस्थित की जाती हैं। स्तर 4.5 प्रमाण पत्र का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5 डिप्लोमा का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5.5 स्नातक की डिग्री का प्रतिनिधित्व करता है स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए प्रवेश और निकास के विकल्प निम्नानुसार होंगे रु

यूजी सर्टिफिकेट: जो छात्र पहले वर्ष की समाप्ति के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 40 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अतिरिक्त, वे पहले वर्ष की गर्मी की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन वर्षों के भीतर डिग्री कार्यक्रम में पुनः प्रवेश करने और निर्धारित अधिकतम सात वर्षों की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

यूजी डिप्लोमा: जो छात्र दूसरे वर्ष की समाप्ति के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 80 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अतिरिक्त, वे दूसरे वर्ष की गर्मी की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन वर्षों की अवधि के भीतर पुनः प्रवेश करने और अधिकतम सात वर्षों की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

3 वर्षीय यूजी डिग्री: जो छात्र 3-वर्षीय यूजी कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने, 120 क्रेडिट प्राप्त करने और न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के बाद प्रमुख विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।

4 वर्षीय यूजी डिग्री (ऑनर्स) : प्रमुख विषयों में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने 160 क्रेडिट के साथ चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम पूरा किया है और तालिका 1 में दी गई क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा किया है।

4 वर्षीय यूजी डिग्री (रिसर्च के साथ ऑनर्स): जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75: या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होना चाहिए। जो छात्र 160 क्रेडिट प्राप्त

करते हैं, जिसमें एक शोध परियोजन/धोध प्रबंध से 12 क्रेडिट शामिल हैं, उन्हें यूजी डिग्री (रिसर्च के साथ ऑनर्स) प्रदान की जाती है।

सिंगल मेजर के साथ यूजी डिग्री प्रोग्राम: एक छात्र को सिंगल मेजर के रूप में प्रदान की जाने वाली 3-वर्षीय/4-वर्षीय यूजी डिग्री के लिए प्रमुख विषय से न्यूनतम 50% क्रेडिट प्राप्त करना होगा।

डबल मेजर के साथ यूजी डिग्री प्रोग्राम: डबल मेजर प्राप्त करने के लिए छात्र को 3-वर्षीय/4-वर्षीय यूजी डिग्री के लिए दूसरे प्रमुख विषय से न्यूनतम 40: क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।?

अंतर्विषयक यूजी कार्यक्रम: कोर पाठ्यक्रमों के क्रेडिट घटक विषयों/विषयों के बीच वितरित किए जाएंगे ताकि अंतःविषयक कार्यक्रम में मुख्य योग्यता प्राप्त की जा सके।

बहुविषयक यूजी कार्यक्रम: बहुविषयक अध्ययन कार्यक्रम का अनुसरण करने वाले छात्रों के मामले में, कोर पाठ्यक्रमों के क्रेडिट व्यापक विषयों जैसे कि जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणितीय और कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विश्लेषण, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के बीच वितरित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के वैधानिक निकाय जैसे अध्ययन बोर्ड और अकादमिक परिषद प्रमुख श्रेणी के तहत पाठ्यक्रमों की सूची और दोहरे प्रमुख, अंतःविषय और बहु-विषयक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट वितरण पर निर्णय लेंगे। प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताएँ निम्नांकित हैं:

तालिका-2: योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ

NHEQF लेवल	योग्यता शीर्षक/नामकरण	क्रेडिट आवश्यकताएँ (न्यूनतम)
लेवल 4.5	अंडरग्रेजुएट प्रमाणपत्र (सीखने/विषय के क्षेत्र में) उन लोगों के लिए जो अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले वर्ष (2 सेमेस्टर) के बाद निकास करते हैं। (कार्यक्रम की अवधि : अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम का पहला वर्ष या 2 सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेवल 5	अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा (सीखने/विषय के क्षेत्र में) उन लोगों के लिए जो अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्षों (4 सेमेस्टर) के बाद निकास करते हैं। (कार्यक्रम की अवधि : अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्ष या 4 सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेवल 5.5	स्नातक की डिग्री (उदाहरण: कला स्नातक; विज्ञान स्नातक; वाणिज्य स्नातक; व्यवसाय प्रशासन स्नातक, आदि) (कार्यक्रम की अवधि: तीन वर्ष या 6 सेमेस्टर)	120 क्रेडिट
लेवल 5.5	व्यवसाय स्नातक (बी.वोक) (कार्यक्रम की अवधि: 3 वर्ष या 6 सेमेस्टर)	120 क्रेडिट
लेवल 6	इंजीनियरिंग स्नातक (बी.ई.); प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) (कार्यक्रम की अवधि: चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	160 क्रेडिट
लेवल 6	बी.ए., बी.एड.; बी.एससी., बी.एड.; बी.कॉम., बी.एड. (4-वर्षीय दोहरी डिग्री इंटीग्रेटेड शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम)	160 क्रेडिट
लेवल 6	स्नातक डिग्री (ऑनर्स/अनुसंधान के साथ ऑनर्स) (कार्यक्रम की अवधि: चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	160 क्रेडिट

लेवल 6	स्नातकोत्तर डिप्लोमा। उन लोगों के लिए जो 2-वर्षीय मास्टर कार्यक्रम के पहले वर्ष या दो सेमेस्टर की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम की अवधि: एक वर्ष या 2 सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेवल 6.5	मास्टर की डिग्री (जैसे: एम.ए.; एम.कॉम., एम.एससी.; आदि) (कार्यक्रम की अवधि : तीन वर्ष की स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेवल 6.5	मास्टर की डिग्री (जैसे: एम.ए.; एम.कॉम., एम.एससी.; आदि) (कार्यक्रम की अवधि : चार वर्ष की स्नातक (ऑनर्स/अनुसंधान के साथ ऑनर्स) डिग्री प्राप्त करने के बाद एक वर्ष या 2 सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेवल 7	मास्टर की डिग्री (जैसे: एम.ई.; एम.टेक. आदि) (कार्यक्रम की अवधि : बी.ई., बी. टेक. आदि स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेवल 8	डॉक्टोरल डिग्री	कोर्स वर्क, शोध प्रबंध और प्रकाशित कार्य

टिप्पणी :

- ऑनर्स छात्र जो शोध नहीं कर रहे हैं वे एक शोध परियोजना/शोध प्रबंध के बदले में 12 क्रेडिट के लिए 3 पाठ्यक्रम पूरा करेंगे।
- यूजीसी/सांविधिक निकायों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय अतिरिक्त क्रेडिट इस तरह से आवंटित कर सकता है जिससे छात्रों को न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा हो।

4. स्नातक पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्या संबंधी घटक:

पाठ्यक्रम में प्रमुख स्ट्रीम पाठ्यक्रम, लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रम और अन्य विषयों के पाठ्यक्रम, भाषा पाठ्यक्रम, कौशल पाठ्यक्रम और पर्यावरण शिक्षा, भारत को समझना, डिजिटल और तकनीकी समाधान, स्वास्थ्य और कल्याण, योग शिक्षा और खेल पर पाठ्यक्रमों का एक सेट शामिल है। फिटनेस. दूसरे सेमेस्टर के अंत में, छात्र या तो चुने गए प्रमुख विषय को जारी रखने का निर्णय ले सकते हैं या प्रमुख विषय में बदलाव का अनुरोध कर सकते हैं। लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल हैं जो छात्रों को नौकरी-उन्मुख कौशल से लैस करने में मदद करेंगे।

5. बहुविषयक /अंतःविषय मेजर:

मेजर, छात्र को किसी विशेष विषय या अनुशासन का गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करेगा। छात्रों को पहले वर्ष के दौरान अंतःविषय पाठ्यक्रमों का पता लगाने के लिए पर्याप्त समय देकर दूसरे सेमेस्टर के अंत में व्यापक अनुशासन के भीतर प्रमुख बदलाव करने की अनुमति दी जा सकती है। सातवें सेमेस्टर में उन्नत स्तर के अनुशासनात्मक/अंतःविषय पाठ्यक्रम, अनुसंधान पद्धति में एक पाठ्यक्रम और एक परियोजना/शोध प्रबंध आयोजित किया जाएगा। अंतिम सेमेस्टर सेमिनार प्रस्तुति, तैयारी और परियोजना रिपोर्ट/शोध प्रबंध प्रस्तुत करने के लिए समर्पित होगा। परियोजना कार्य/शोध प्रबंध अध्ययन के अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम के किसी विषय या अंतःविषय विषय पर होगा।

6. बहुविषयक / अंतर्विषयक माइनर :

विद्यार्थियों के पास चुने गए व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित अनुशासनात्मक/अंतर्विषयक लघु और कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प होगा। जो छात्र चुने गए मुख्य विषयों के अलावा किसी विषय या अंतःविषय अध्ययन क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पाठ्यक्रम लेते हैं, वे उस विषय या चुने गए अंतःविषय अध्ययन क्षेत्र में मामूली पाठ्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों की खोज करने के बाद दूसरे सेमेस्टर के अंत में माइनर और व्यावसायिक स्ट्रीम की पसंद की घोषणा कर सकता है।

7. व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण:

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण सिद्धांत और व्यावहारिक के साथ-साथ कौशल प्रदान करने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बनेगा। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण से संबंधित 'माइनर' स्ट्रीम के लिए न्यूनतम 12 क्रेडिट आवंटित किए जाएंगे और ये छात्र के प्रमुख या छोटे अनुशासन या पसंद से संबंधित हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए नौकरी ढूंढने में उपयोगी होंगे जो पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं।

8. अन्य विषयों से पाठ्यक्रम (बहुविषयक) (9 क्रेडिट) :

सभी यूजी छात्रों को नीचे दिए गए किसी भी व्यापक विषय से संबंधित 3 प्रारंभिक स्तर के पाठ्यक्रमों से गुजरना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य बौद्धिक अनुभव को व्यापक बनाना और उदार कला और विज्ञान शिक्षा का हिस्सा बनना है। छात्रों को इस श्रेणी के तहत प्रस्तावित प्रमुख और लघु स्ट्रीम में उच्च माध्यमिक स्तर (12वीं कक्षा) में पहले से ही किए गए पाठ्यक्रमों को चुनने या दोहराने की अनुमति नहीं है।

8.1 प्राकृतिक और भौतिक विज्ञान: छात्र प्राकृतिक विज्ञान जैसे विषयों से बुनियादी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं, उदाहरण के लिए, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जैव भौतिकी, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी, फॉरेंसिक विज्ञान आदि।

8.2 गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोग: इस श्रेणी के अंतर्गत पाठ्यक्रम छात्रों को अपने प्रमुख और लघु विषयों में उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करने और लागू करने की सुविधा प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम में पायथन जैसे प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर और एसटीएटीए, एसपीएसएस, टैली आदि जैसे एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण शामिल हो सकता है। इस श्रेणी के तहत बुनियादी पाठ्यक्रम डेटा विश्लेषण और मात्रात्मक उपकरणों के अनुप्रयोग में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए सहायक होंगे।

8.3 पुस्तकालय, सूचना और मीडिया विज्ञान: इस श्रेणी के पाठ्यक्रम छात्रों को सूचना और मीडिया विज्ञान (पत्रकारिता, जन मीडिया और संचार) में हाल के विकास को समझने में मदद करेंगे।

8.4 वाणिज्य और प्रबंधन: पाठ्यक्रमों में व्यवसाय प्रबंधन, अकाउंटेंसी, वित्त, वित्तीय संस्थान, फिनटेक आदि शामिल हैं।

8.5 मानविकी और सामाजिक विज्ञान: सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम, उदाहरण के लिए, मानव विज्ञान, संचार और मीडिया, अर्थशास्त्र, इतिहास, भाषा विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र, आदि छात्रों को व्यक्तियों और उनके सामाजिक व्यवहार को समझने में सक्षम बनाएंगे। समाज और राष्ट्र छात्रों को भारत के लिए सर्वेक्षण पद्धति और उपलब्ध बड़े पैमाने के डेटाबेस से परिचित कराया जाएगा। मानविकी के अंतर्गत पाठ्यक्रमों में शामिल हैं, उदाहरण के लिए, पुरातत्व, इतिहास, तुलनात्मक साहित्य, कला और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ, रचनात्मक लेखन और साहित्य, भाषाएँ, दर्शनशास्त्र, आदि, और मानविकी से संबंधित अंतःविषय पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रमों की सूची जिसमें संज्ञानात्मक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, लिंग अध्ययन, वैश्विक पर्यावरण और स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और विकास, सतत विकास, महिला और लिंग अध्ययन आदि जैसे अंतःविषय विषय शामिल हो सकते हैं, समाज को समझने के लिए उपयोगी होंगे।

9. क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (ईसी) (08 क्रेडिट):

आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा भाषा और संचार कौशल पर केंद्रित है। छात्रों को भाषा और संचार कौशल पर विशेष जोर देने के साथ आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा में दक्षता हासिल करने की आवश्यकता होती है। पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को महत्वपूर्ण पढ़ाने और व्याख्यात्मक और अकादमिक लेखन कौशल सहित मुख्य भाषाई कौशल हासिल करने और प्रदर्शित करने में सक्षम बनाना है, जो छात्रों को अपने तर्कों को स्पष्ट करने और अपनी सोच को स्पष्ट और सुसंगत रूप से प्रस्तुत करने में मदद करता है और ज्ञान के मध्यस्थ के रूप में भाषा के महत्व को पहचानता है। और पहचान। वे छात्रों को चुनी हुई एमआईएल और अंग्रेजी भाषा की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से परिचित कराने में सक्षम बनाएंगे, साथ ही एमआईएल और अंग्रेजी भाषा दोनों से संबंधित भाषा/साहित्य की संरचना और जटिलता की चिंतनशील समझ प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम संचार जैसे कौशल के विकास और वृद्धि, और चर्चा और बहस में भाग लेने/संचालन करने की क्षमता पर भी जोर देंगे।

10. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी):

इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्किल आदि प्रदान करना है। विश्वविद्यालय छात्रों की आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकता है।

11. सभी यूजी छात्रों के लिए मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) (6-8 क्रेडिट)

- 11.1 भारत को समझना :** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों और नीतियों के बुनियादी ढांचे और संवैधानिक मूल्यों और मौलिक पर विशेष जोर देने के साथ संवैधानिक दायित्वों के साथ समकालीन भारत के ज्ञान और समझ को प्राप्त करने और प्रदर्शित करने में सक्षम बनाना है। अधिकार और कर्तव्य। यह पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणालियों, भारतीय शिक्षा प्रणाली और सामान्य रूप से राष्ट्र और स्कूल/समुदाय/समाज के प्रति शिक्षकों की भूमिकाओं और दायित्वों के बारे में छात्र-शिक्षकों के बीच समझ विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। यह पाठ्यक्रम भारत के स्वतंत्रता संग्राम और इसके मूल्यों और आदर्शों के बारे में ज्ञान को गहरा करने और देश के सभी वर्गों और क्षेत्रों के लोगों द्वारा किए गए योगदान की सराहना विकसित करने और शिक्षार्थियों को मूल्यों को समझने और संजोने में मदद करने का प्रयास करेगा। भारतीय संविधान में निहित और उन्हें एक लोकतांत्रिक समाज के प्रभावी नागरिकों के रूप में उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए तैयार करना।
- 11.2 पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा :** पाठ्यक्रम छात्रों को पर्यावरणीय गिरावट, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, संरक्षण के प्रभावों को कम करने के लिए उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक अर्जित ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को लागू करने की क्षमता से लैस करना चाहता है। जैविक विविधता, जैविक संसाधनों का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनयापन। यह पाठ्यक्रम भारत के पर्यावरण की समग्रता, इसकी संवादात्मक प्रक्रियाओं और लोगों के जीवन की भविष्य की गुणवत्ता पर इसके प्रभावों के ज्ञान और समझ को भी गहरा करेगा।
- 11.3 डिजिटल और तकनीकी समाधान :** अत्याधुनिक क्षेत्रों में पाठ्यक्रम जो तेजी से प्रमुखता प्राप्त कर रहे हैं, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), 3-डी मशीनिंग, बिग डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग, ड्रोन टेक्नोलॉजीज, और स्वास्थ्य, पर्यावरण और टिकाऊ जीवन के लिए महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के साथ गहन शिक्षा जो युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए स्नातक शिक्षा में शामिल की जाएगी।
- 11.4 स्वास्थ्य और कल्याण, योग शिक्षा, खेल और फिटनेस:** स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती से संबंधित पाठ्यक्रम घटक व्यक्ति के शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय तंदुरुस्ती की इष्टतम स्थिति को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। खेल और तंदुरुस्ती गतिविधियाँ नियमित विश्वविद्यालय कार्य घंटों के बाहर आयोजित की जाएँगी। योग शिक्षा छात्रों को उनकी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्षमताओं के एकीकरण के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करने और उन्हें अपने व्यक्तित्व के बारे में बुनियादी ज्ञान से लैस करने, आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बनाए रखने, सभी जीवन स्थितियों में खुद को अच्छी तरह से संभालने के लिए सीखने पर ध्यान केंद्रित करेगी। पाठ्यक्रम के खेल और तंदुरुस्ती घटकों का ध्यान शारीरिक तंदुरुस्ती के सुधार पर होगा जिसमें ताकत, गति, समन्वय, धीरज और लचीलेपन जैसे शारीरिक और कौशल-संबंधित तंदुरुस्ती के विभिन्न घटकों का सुधार शामिल है। मोटर कौशल सहित खेल कौशल का अधिग्रहण और साथ ही किसी विशेष खेल से संबंधित बुनियादी आंदोलन कौशल सामरिक क्षमताओं में सुधार और मानसिक क्षमताओं में सुधार। विश्वविद्यालय आवश्यकतानुसार अनुशासन से संबंधित या सभी यूजी कार्यक्रमों के लिए समान अन्य नवीन मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू करेगा।

12. भारतीय ज्ञान प्रणाली

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) से संबंधित पाठ्यक्रम सामग्री को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

अ. आईकेएस सभी विषयों के लिए यूजी पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग होगा।

ब. आईकेएस में लिए गए क्रेडिट चार साल के यूजी कार्यक्रमों में कुल अनिवार्य क्रेडिट का कम से कम 5: होना चाहिए। आईकेएस को आवंटित क्रेडिट का कम से कम 50: मुख्य अनुशासनात्मक और बहु-विषयक पाठ्यक्रमों को आवंटित किया जाएगा। छात्रों को आईकेएस का हिस्सा बनने वाले किसी भी विषय/विषय में इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता का विकल्प चुनने की अनुमति दी जा सकती है।

स. इसके अलावा, विश्वविद्यालय यूजी कार्यक्रम के पहले चार सेमेस्टर के दौरान आई.के.एस. के आधारभूत पाठ्यक्रमों में कम से कम एक/दो पेपर सुनिश्चित करेगा, जिसमें मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) के हिस्से के रूप में न्यूनतम तीनध्वार क्रेडिट (क्रमशः तीन साल/चार साल के यूजी कार्यक्रम) होंगे।

द. आई.के.एस. के अंतर्गत पाठ्यक्रमों को चयनित विषयों/बहुविषयों में आधारभूत पाठ्यक्रम (आई.के.एस. के लिए विशिष्ट) और वैकल्पिक पाठ्यक्रम (विषय विशेष) में वर्गीकृत किया जाएगा।

- I. आधारभूत पाठ्यक्रम: इसमें आई.के.एस. का बुनियादी ज्ञान शामिल होगा और इसमें भारतीय साहित्य, संस्कृति, खगोल विज्ञान, कला और शिल्प, वास्तुकला, संगीत आदि का बुनियादी ज्ञान शामिल हो सकता है।
- II. वैकल्पिक पाठ्यक्रम (विषय विशेष): इसमें भारतीय गणित और भारतीय खगोल विज्ञान जैसे विशिष्ट विषयों से संबंधित उन्नत ज्ञान शामिल है। यह प्रमुख विषय का हिस्सा होगा।

13. ग्रीष्मकालीन इंटरशिप/ प्रशिक्षुता (2 – 4 क्रेडिट)

नए यूजी पाठ्यक्रम का एक प्रमुख पहलू वास्तविक कार्य स्थितियों में शामिल होना है। सभी छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान किसी फर्म, उद्योग या संगठन में इंटरशिप/प्रशिक्षुता या अपने स्वयं के या अन्य एचईआई/अनुसंधान संस्थानों में संकाय और शोधकर्ताओं के साथ प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण से भी गुजरना होगा। छात्रों को स्थानीय उद्योग, व्यावसायिक संगठनों, स्वास्थ्य और संबद्ध क्षेत्रों, स्थानीय सरकारों (जैसे पंचायत, नगर पालिकाओं), संसद या निर्वाचित प्रतिनिधियों, मीडिया संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और विभिन्न प्रकार के संगठनों के साथ इंटरशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे। ताकि छात्र अपने सीखने के व्यावहारिक पक्ष के साथ सक्रिय रूप से जुड़ सकें और, उप-उत्पाद के रूप में, अपनी रोजगार क्षमता में और सुधार कर सकें। जो छात्र पहले दो सेमेस्टर के बाद बाहर निकलना चाहते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान 4-क्रेडिट कार्य-आधारित शिक्षा/इंटरशिप से गुजरना होगा।

14. सामुदायिक सहभागिता और सेवा :

‘सामुदायिक सहभागिता और सेवा’ का पाठ्यक्रम घटक छात्रों को समाज में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों से अवगत कराना चाहता है, ताकि सैद्धांतिक शिक्षा को वास्तविक जीवन के अनुभवों द्वारा पूरक बनाया जा सके और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। यह मुख्य अनुशासन के आधार पर ग्रीष्मकालीन अवधि गतिविधि या प्रमुख या लघु पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

15. क्षेत्र-आधारित शिक्षण/लघु परियोजना:

क्षेत्र-आधारित शिक्षण/लघु परियोजना छात्रों को विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संदर्भों को समझने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण और शहरी परिवेश में विकास संबंधी मुद्दों से अवगत कराना होगा। यह छात्रों को ग्रामीण और शहरी संदर्भों में स्थितियों का निरीक्षण करने और सामाजिक-आर्थिक विकास से संबंधित मुद्दों के संबंध में वास्तविक क्षेत्र स्थितियों का निरीक्षण और अध्ययन करने के अवसर प्रदान करेगा। छात्रों को विकास प्रक्रिया का मार्गदर्शन करने वाली नीतियों, विनियमों, संगठनात्मक संरचनाओं, प्रक्रियाओं और कार्यक्रमों की प्रत्यक्ष समझ हासिल करने के अवसर दिए जाएंगे। उन्हें समुदाय में जटिल सामाजिक-आर्थिक समस्याओं और पहचानी गई समस्याओं के समाधान उत्पन्न करने के लिए आवश्यक नवीन प्रथाओं की समझ हासिल करने का अवसर मिलेगा। अध्ययन के विषय के आधार पर यह एक ग्रीष्मकालीन अवधि की परियोजना या किसी बड़े या लघु पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

16. शोध परियोजना/शोध प्रबंध

4 वर्षीय स्नातक डिग्री (शोध के साथ ऑनर्स) चुनने वाले छात्रों को संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजनाएं शुरू करनी होती हैं। छात्रों से आठवें सेमेस्टर में शोध परियोजना पूरी करने की अपेक्षा की जाती है। उनके प्रोजेक्ट वर्क के शोध परिणाम सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकते हैं या सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं या पेटेंट कराए जा सकते हैं

प्रासंगिक अनुभव/दक्षता के लिए क्रेडिट असाइनमेंट

अनुभव सह प्रवीणता स्तर	प्रासंगिक अनुभवात्मक शिक्षा का विवरण जिसमें प्रासंगिक	वेटेज / गुणन कारक	अनुभव के वर्षों की संख्या (केवल सांकेतिक)
------------------------	---	-------------------	---

	अनुभव और अर्जित व्यावसायिक स्तर और प्रवीणता स्तर प्राप्त करना शामिल है		
प्रशिक्षित/योग्यता प्राप्त	कोई व्यक्ति जिसने पाठ्यक्रमधर्माध्यापन पूर्ण कर लिया है और उसे किसी विशेष कार्य या गतिविधि के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सिखाया गया है	1	1 वर्ष से कम या बराबर
प्रवीण	प्रवीण प्रवीण का अर्थ होगा किसी विशेष पेशे, कौशल या ज्ञान में उन्नति का स्तर होना	1.33	1 से अधिक 4 से कम या बराबर
विशेषज्ञ	विशेषज्ञ विशेषज्ञ का अर्थ है किसी व्यापार या पेशे में उच्च स्तर का ज्ञान और अनुभव होना	1.67	4 से अधिक 7 से कम या बराबर
मास्टर या ज्ञान होता है	मास्टर वह व्यक्ति होता है जिसके पास किसी विषय/डोमेन का असाधारण कौशल या ज्ञान होता है	2	7 से अधिक

17. अन्य गतिविधियाँ :

इस घटक में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनसीसी), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), वयस्क शिक्षा/साक्षरता पहल, स्कूली छात्रों को सलाह देने और अन्य समान गतिविधियों से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी शामिल होगी।

18. व्यापक ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक)

मूक शिक्षार्थियों को वैकल्पिक मोड (ऑफलाइन, ओडीएल, ऑनलाइन लर्निंग और हाइब्रिड मोड) में स्विच करने के लिए लचीलापन प्रदान करते हैं। यूजीसी से प्राप्त दिशा-निर्देशों/सिफारिशों के अनुसार विश्वविद्यालय SWAYAM/NPTEL या किसी अन्य ऑनलाइन यूजीसी अनुमोदित प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रम के एक सेमेस्टर में पेश किए जा रहे कुल पाठ्यक्रमों/क्रेडिट इकाइयों के 40 प्रतिशत (40%) तक की अनुमति देता है।

विश्वविद्यालय MOOC—आधारित पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए अपने दिशा-निर्देश विकसित करेगा। ये दिशा-निर्देश पाठ्यक्रम में MOOC के सुचारु एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम चयन, क्रेडिट हस्तांतरण और अन्य प्रासंगिक पहलुओं की प्रक्रिया को रेखांकित करते हैं।

19. स्नातक पाठ्यक्रम के लिए संरचना : सेमेस्टर प्रणाली

एनईपी और यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार तीन वर्षीय बैचलर प्रोग्रामध्वारा वर्षीय बैचलर विद ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च के दौरान, छात्रों को आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट इकाइयों के पूरा होने के बाद प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/डिग्री अर्जित करने के साथ कार्यक्रम में कई बार बाहर निकलने और प्रवेश करने का अवसर मिलता है, जैसा कि तालिका 1 में बताया गया है:

*40 क्रेडिट (स्तर 4.5: जिन्हें यूजी प्रमाण-पत्र दिया जाएगा) या 80 क्रेडिट (स्तर 5: जिन्हें यूजी डिप्लोमा दिया जाएगा) हासिल करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवधि या औद्योगिक इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता के दौरान पेश किए जाने वाले कार्य/डोमेन आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 अतिरिक्त क्रेडिट हासिल करने की भी आवश्यकता होती है। 4 वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम को एक पसंदीदा विकल्प माना जाता है क्योंकि यह छात्र की पसंद के अनुसार चुने गए प्रमुख और गौण विषयों पर ध्यान देने के अलावा समग्र और बहुविषयक शिक्षा की पूरी श्रृंखला का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। (तालिका – IIA&B)

तालिका IIA: प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम की श्रेणी	न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता	
		3 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम	4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
1	प्रमुख (कोर) पाठ्यक्रम	60 (50%)	80 (50%)
2	लघु (वैकल्पिक) पाठ्यक्रम	24	32
3	बहुविषयक/अंतर-विषयक/संबद्ध पाठ्यक्रम	09	09
4	एईसी (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम)	08	08
5	एसईसी (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)	09	09
6	भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) सहित वीएडी (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम)	06-08	06-08
7	समर इंटरनशिप	02-04	02-04
8	शोध प्रबंध/शोध परियोजना		12
	कुल क्रेडिट	120	160

नोट:— शोध न करने वाले ऑनर्स छात्र को शोध परियोजना/शोध प्रबंध के बदले में 12 क्रेडिट के तीन पाठ्यक्रम करने होंगे।

तालिका IIB: – स्नातक पाठ्यक्रम के क्रेडिट का सेमेस्टर-वार और व्यापक पाठ्यक्रम श्रेणी-वार वितरण:

सेमेस्टर	अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम (कोर)	माइनर	अंतर-अनुशासनात्मक	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (भाषा)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम / इंटरनशिप / शोध प्रबंध	सामान्य मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम	कुल क्रेडिट
I	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20
II	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20

	40 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संबंधित अनुशासन / विषय में यूजी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि वे पहले और दूसरे सेमेस्टर के दौरान अर्जित कौशल आधारित पाठ्यक्रमों से 6 क्रेडिट के अलावा ग्रीष्मकालीन सत्र या इंटर्नशिप / प्रशिक्षुता / कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के दौरान पेश किए गए कार्य आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 क्रेडिट प्राप्त करें।						40
III	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	-	20
IV	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	--	(1 पाठ्यक्रम)	-		20
	80 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संबंधित अनुशासन/ विषय में यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि वे पहले वर्ष या दूसरे वर्ष की ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान पेश किए जाने वाले कौशल आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त 4 क्रेडिट प्राप्त करें।						80
V	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	-	(इंटर्नशिप)	-	20
VI	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	-	..	-	20
	जो छात्र 3-वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम करना चाहते हैं, उन्हें 120 क्रेडिट हासिल करने पर संबंधित अनुशासनध्विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी						120
VII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-		-	-	20
VIII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-		(अनुसंधान परियोजना/ शोधप्रबंध)		20
	छात्रों को संबंधित अनुशासन (विषय में यूजी डिग्री (ऑनर्स) प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि उन्होंने 160 क्रेडिट्स प्राप्त किए हों।						160

टिप्पणी:

- प्रत्येक सेमेस्टर में केवल क्रेडिट की न्यूनतम कुल संख्या ऊपर दर्शाई गई है। न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थान प्रत्येक पाठ्यक्रम (जैसे, मेजर, माइनर, मल्टीडिसिप्लिनरी, आदि) के लिए क्रेडिट की संख्या तय कर सकते हैं। यदि आवश्यक हो तो उच्च शिक्षा संस्थान अतिरिक्त 10: क्रेडिट प्रदान कर सकते हैं।
- छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा प्रस्तावित अपनी पसंद के पाठ्यक्रम का ऑडिट करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते वे पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक शर्तें पूरी करते हों।
- माइनर स्ट्रीम पाठ्यक्रम तीसरी 300 या उससे ऊपर के स्तर के हो सकते हैं और माइनर से कुल क्रेडिट का 50: संबंधित विषय/अनुशासन में प्राप्त किया जाना चाहिए और माइनर से कुल क्रेडिट का 50: छात्र की पसंद के अनुसार किसी भी विषय से अर्जित किया जा सकता है।
- छात्रों को अंतःविषय श्रेणी के तहत 12वीं कक्षा में पढ़े गए समान पाठ्यक्रमों को लेने की अनुमति नहीं है।
- मौजूदा यूजीसी नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से किसी भी श्रेणी में 40% क्रेडिट अर्जित किए जा सकते हैं।
- आठवीं-सेमेस्टर का मुख्य विषय छात्रों की प्रस्तुतियों और चर्चाओं के साथ सेमिनार-आधारित हो सकता है।

vii. छात्रों को एनएसएस/एनसीसी जैसी गतिविधियों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना

2 वर्षीय पीजी के लिए: 3 वर्षीय यूजी कार्यक्रम के बाद 2 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र निम्न में से कोई एक चुन सकते हैं

(i) तीसरे और चौथे सेमेस्टर में केवल पाठ्यक्रम कार्य या (ii) तीसरे सेमेस्टर में पाठ्यक्रम कार्य और चौथे सेमेस्टर में शोध या (iii) तीसरे और चौथे सेमेस्टर में केवल शोध।

1 वर्षीय पीजी: 4 वर्षीय यूजी कार्यक्रम के बाद 1 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र (i) केवल पाठ्यक्रम कार्य या (ii) शोध या (iii) पाठ्यक्रम और शोध करने का विकल्प चुन सकते हैं।

5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (यूजीपीजी): पीजी स्तर पर, 5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम का पाठ्यक्रम घटक ऊपर बताए गए 2 वर्षीय पीजी के समान होगा।

क्रेडिट वितरण

अ) 1 वर्षीय पीजी के लिए

पाठ्यचर्या घटक	4 वर्षीय यूजी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) के लिए पीजी पाठ्यक्रम (एक वर्ष) न्यूनतम क्रेडिट			
	कोर्स लेवल	कोर्स वर्क	रिसर्च थीसिस/प्रोजेक्ट/पेटेंट	कुल क्रेडिट क्रेडिट
कोर्स वर्क + रिसर्च	500	20	20	40
कोर्स वर्क	500	40	--	40
रिसर्च	-	-	40	

ब.) 2-वर्षीय पीजी के लिए

पाठ्यचर्या घटक		दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम (सामान्य और व्यावसायिक)			
		न्यूनतम क्रेडिट			
		कोर्स लेवल	कोर्स वर्क	रिसर्च थीसिस/प्रोजेक्ट/पेटेंट	कुल क्रेडि क्रेडिट
पीजी डिप्लोमा		400	40	--	40
प्रथम वर्ष		400	24	--	40
(प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर)		500	16		
प्रथम वर्ष के अंत में बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा					
द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)	पाठ्यक्रम और अनुसंधान	500	20	20	40
	कोर्स वर्क (या)	500	40	--	40
	शोध	--	--	40	40

निकास बिंदु:

जो लोग 2 वर्षीय पीजी कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, उनके लिए केवल एक निकास बिंदु होगा। जो छात्र 1 वर्ष के अंत में बाहर निकलते हैं, उन्हें स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा। पीजी कार्यक्रम में चुने गए विषय से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल होने चाहिए।

पाठ्यक्रमों के स्तर:

पाठ्यक्रमों को सीखने के परिणामों, कठिनाई के स्तर और शैक्षणिक कठोरता के आधार पर कोडित किया जाएगा। कोडिंग संरचना इस प्रकार है:

- I. 0-99 : परिचयात्मक पाठ्यक्रम करने के लिए आवश्यक पूर्व-अपेक्षित पाठ्यक्रम जो बिना किसी क्रेडिट के पास या फेल कोर्स होगा। यह कुछ कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में आयोजित किए जाने वाले ब्रिज पाठ्यक्रमों की पेशकश के मौजूदा अनौपचारिक तरीके की जगह लेगा।
- II. 100-199 : आधारभूत या परिचयात्मक पाठ्यक्रम जो छात्रों को विषयों के बारे में समझ और बुनियादी ज्ञान हासिल करने और रुचि के विषय या अनुशासन को तय करने में मदद करने के लिए हैं। ये पाठ्यक्रम प्रमुख विषय के पाठ्यक्रमों के लिए पूर्वापेक्षाएँ भी हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम आम तौर पर अधिक उन्नत पाठ्यक्रमों को लेने के लिए एक व्यापक आधार प्रदान करने के लिए आलोचनात्मक सोच के आधारभूत सिद्धांतों, अवधारणाओं, दृष्टिकोणों, सिद्धांतों, विधियों और प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये पाठ्यक्रम छात्रों को उन्नत अध्ययन के लिए आवश्यक सामान्य शिक्षा से लैस करने का प्रयास करते हुए कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान में (अंतर) अनुशासनात्मक क्षेत्रों की व्यापकता और व्यावसायिक या पेशेवर क्षेत्रों की ऐतिहासिक और समकालीन मान्यताओं और प्रथाओं से छात्रों को परिचित कराएंगे और उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम की नींव रखेंगे।
- III. 200-299 : विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रमों सहित मध्यवर्ती स्तर के पाठ्यक्रम जो सीखने के छोटे या प्रमुख क्षेत्रों के लिए क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अभिप्रेत हैं। ये पाठ्यक्रम किसी प्रमुख विषय का हिस्सा हो सकते हैं और उन्नत स्तर के प्रमुख पाठ्यक्रमों के लिए पूर्व-आवश्यक पाठ्यक्रम हो सकते हैं।
- IV. 300-399 : उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम जो डिग्री के पुरस्कार के लिए अध्ययन के अनुशासनात्मक/अंतर-विषयक क्षेत्र में प्रमुखता के लिए आवश्यक हैं।
- V. 400-499 : उन्नत पाठ्यक्रम जिसमें प्रैक्टिकम के साथ व्याख्यान पाठ्यक्रम, सेमिनार आधारित पाठ्यक्रम, टर्म पेपर, शोध पद्धति, उन्नत प्रयोगशाला प्रयोग/सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण, शोध परियोजनाएं, व्यावहारिक प्रशिक्षण, स्नातक स्तर पर इंटरनशिप/प्रशिक्षुता परियोजनाएं या प्रथम वर्ष स्नातकोत्तर सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रम शामिल होंगे।
- VI. 500-599 : 2 वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम के लिए प्रथम वर्ष के मास्टर डिग्री स्तर पर पाठ्यक्रम।
- VII. 600-699 : 2 वर्षीय मास्टर या 1 वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के लिए पाठ्यक्रम।
- VIII. 700-799 और अधिक : डॉक्टरेट छात्रों तक सीमित पाठ्यक्रम।

20. स्नातक कार्यक्रमों का नामकरण

स्नातक डिग्री कार्यक्रम 3 या 4 वर्ष की अवधि के होंगे, जिसमें कई निकास/प्रवेश विकल्प (प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा/डिग्री) होंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत यूजी कार्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार नए नामकरण के साथ संशोधित किया जाएगा।

स्नातक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट आवश्यकताएँ तालिका-I में दी गई हैं।

21. स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत स्नातकोत्तर कार्यक्रम/स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का नामकरण यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा।

22. स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रवेश मार्ग

- I. छात्रों को दो वर्षीय कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा, जबकि दूसरा वर्ष पूरी तरह से शोध के लिए समर्पित होगा, जो तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा कर चुके हैं।

- II. चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम ऑनर्स/शोध के साथ पूरा करने वाले छात्रों को एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- III. कोई भी छात्र अपने यूजी कार्यक्रम में लिए गए प्रमुख या गौण विषय में पीजी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र है।
- IV. यूजी कार्यक्रम में छात्र द्वारा लिए गए प्रमुख या गौण विषय के बावजूद, छात्र पीजी कार्यक्रम के किसी भी विषय में प्रवेश के लिए पात्र है, बशर्ते कि छात्र पीजी कार्यक्रम के विषय में राष्ट्रीय स्तर या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करता हो।
- V. जिन अभ्यर्थियों ने 4 वर्षीय यूजी कार्यक्रम या 3 वर्षीय यूजी और 2 वर्षीय पीजी कार्यक्रम या STEM विषयों में 5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (यूजी+पीजी) पूरा कर लिया है, वे संबद्ध क्षेत्रों में एम.ई., एम.टेक. में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।
- VI. एक एकीकृत पांच वर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम हो सकता है।

प्रविष्टि 5 – स्तर 6.5 के लिए प्रवेश की आवश्यकता है

- i. एक वर्षीय/दो-सेमेस्टर मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम के लिए स्नातक डिग्री (ऑनर्स/अनुसंधान)।
- ii. दो-वर्षीय/चार-सेमेस्टर मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।
- iii. एक वर्षीय/दो-सेमेस्टर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।
- iv. मास्टर डिग्री और पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अध्ययन का एक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए खुला है, जिन्होंने पाठ्यक्रम प्रवेश नियमों में निर्दिष्ट स्तर की प्राप्ति सहित प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है। अध्ययन के एक पाठ्यक्रम में प्रवेश आवेदक की जांच के विशेषज्ञ क्षेत्र में स्नातकोत्तर अध्ययन करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है।

निकास 5— स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए, दो-वर्षीय मास्टर पाठ्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा, अर्थात्, मास्टर पाठ्यक्रम के पहले वर्ष के अंत में। प्रथम वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा।

23. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट आवश्यकताएँ

- i. एक वर्षीय/दो सेमेस्टर का मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पर आधारित है और ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।
- ii. दो वर्षीय /चार सेमेस्टर का मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम स्नातक डिग्री पर आधारित है और पाठ्यक्रम के दोनों वर्षों से कुल 80 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, जिसमें लेवल 7 पर पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में 40 क्रेडिट और दूसरे वर्ष में 40 क्रेडिट होते हैं।
- iii. एक साल/दो सेमेस्टर का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम स्नातक की डिग्री पर आधारित है और स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।
 - एक छात्र को केवल विषम सेमेस्टर में प्रवेश/पुनः प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और केवल सम सेमेस्टर के बाद ही बाहर निकल सकता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेशकों के रूप में विभिन्न स्तरों पर पुनः प्रवेश अर्जित क्रेडिट और दक्षता परीक्षण रिकॉर्ड के आधार पर होना चाहिए।
 - अर्जित क्रेडिट की वैधता अधिकतम सात वर्ष की अवधि या एबीसी द्वारा निर्दिष्ट होगी। अर्जित क्रेडिट को जमा करने की प्रक्रिया, इसकी शेल्फ लाइफ, क्रेडिट का मोचन, यूजीसी (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) योजना की स्थापना और संचालन) विनियम, 2021 के अनुसार होगा।

24. तकनीकी कार्यक्रमों के लिए अवधि, प्रवेश स्तर की योग्यताएं और सांविधिक आरक्षण के मानदंड

छात्रों को प्रत्येक निकास के बाद रोजगार योग्य बनाने के लिए, संबंधित नियामक निकाय/विश्वविद्यालय/तकनीकी बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के पहले वर्ष से ही पाठ्यक्रम में संबंधित विषयों में कौशल घटक के साथ प्रगतिशील कौशल वृद्धि को शामिल किया जा सकता है। पहले वर्ष के अंत में निकास की अनुमति देते समय, संस्थान तकनीकी संचार और कंप्यूटर प्रवीणता (डेटा प्रविष्टि आदि), सिविल / मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैनशिप, विद्युत रखरखाव आदि पर अनिवार्य कौशल पाठ्यक्रम मॉड्यूल निर्धारित कर सकते हैं।

क्रमांक	शैक्षिक स्तर	प्रवेश स्तर पात्रताएँ	निकासी स्तर पात्रताएँ	NCrF स्तर
1	10वीं कक्षा		10वीं मानक	3.0
2a	डिप्लोमा प्रथम वर्ष	10वीं कक्षा पास	अभ्यर्थी 10+1 वर्ष के डिप्लोमा के साथ निकास करता है वोकेशन का प्रमाण पत्र (सी. वोक.)	3.5
3a	12वीं	11वीं कक्षा पास	12वीं	4.0
3b	डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	10+1 वर्ष का डिप्लोमा (C. Voc.) या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 3.5) या 12वीं कक्षा पास	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा	4.0
4a	डिप्लोमा तृतीय वर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 4)	डिप्लोमा इंजीनियरिंग	4.5
4b	स्नातक डिग्री प्रथम वर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या 12वीं कक्षा पास (स्तर 4)	स्नातक प्रमाणपत्र	4.5
5	स्नातक डिग्री द्वितीय वर्ष	संबंधित शाखा में डिप्लोमा/स्नातक प्रमाणपत्र/ समकक्ष व्यवसायिक या तकनीकी कार्यक्रम (स्तर 4.5)	स्नातक डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)	5.0
6	स्नातक डिग्री तृतीय वर्ष	10+3+1/12+2/ संबंधित डोमेन में स्नातक/डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) (स्तर 5)	B-Voc-/ B-Sc-	(इंजीनियरिंग)/ स्नातक डिग्री
7	स्नातक डिग्री अंतिम वर्ष	वोकेशन में 3 वर्ष की बैचलर डिग्री/ B-Sc- (इंजीनियरिंग)/ स्नातक डिग्री (स्तर 5.5)	B-E-/B-Tech-/	स्नातक डिग्री (ऑनर्स)
8	स्नात्कोत्तर डिग्री प्रथम वर्ष	4 वर्ष की बैचलर डिग्री (स्तर 6.00)	स्नात्कोत्तर डिप्लोमा/ M-Voc	6.5
9	स्नात्कोत्तर डिग्री अंतिम वर्ष	1 वर्ष की स्नात्कोत्तर डिग्री/स्नात्कोत्तर डिप्लोमा/M-Voc (स्तर 6.5)	M-Tech-/ स्नात्कोत्तर डिग्री (इंजीनियरिंग)/स्नात्कोत्तर डिग्री	7.0
10	पीएच.डी/फेलो प्रोग्राम	B-Tech- में 75% अंक या समकक्ष CGPA/PG	—	8.0

इंजीनियरिंग के UG और PG पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF)

बी.टेक. पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को आईटी/हार्डवेयर नेटवर्किंग/मेटलैब या शाखा विशेष कौशल मॉड्यूल पर कौशल मॉड्यूल का पालन करना होगा। बी.टेक. के तीसरे और चौथे वर्ष का पाठ्यक्रम पहले से ही इंजीनियरिंग विशिष्ट है, तीन वर्षों के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को यूजी डिग्री/बी. वोक/बी.एससी (इंजीनियरिंग) प्रदान की जा सकती है।

पहले वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले डिप्लोमा छात्रों को व्यावसायिक प्रमाणपत्र (सी.वोक.) और दूसरे वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र (आईटीसी)/व्यावसायिक डिप्लोमा प्रदान किया जा सकता है।

प्रत्येक प्रवेश स्तर पर, विश्वविद्यालय शैक्षिक अंतर/कौशल अंतर की पहचान करेगा और उपयुक्त ब्रिज कोर्स की पेशकश की जा सकती है।

विशेषीकरण एआईसीटीई द्वारा समय-समय पर प्रकाशित अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका के अनुसार होगा।

25. उपस्थिति

उपस्थिति की आवश्यकता परीक्षाओं को नियंत्रित करने वाले विश्वविद्यालय अध्यादेश के अनुसार होगी। सामान्य तौर पर, अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम पचहत्तर प्रतिशत की उपस्थिति आवश्यक होगी।

लंबी बीमारी जैसे विशेष कारणों से प्रत्येक पाठ्यक्रम में उपस्थिति के प्रतिशत में कमी को कुलपति द्वारा संबंध डीन के अनुमोदन से माफ किया जा सकता है।

26. परीक्षा एवं मूल्यांकन

मूल्यांकन निरंतर मूल्यांकन पर आधारित होगा, जिसमें सेशनल कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य-सेमेस्टर परीक्षा, होमवर्क असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाएगा। सीखने के परिणामों की उपलब्धि की दिशा में प्रगति का मूल्यांकन निम्नलिखित का उपयोग करके किया जाएगा: समय-बाधित परीक्षाएं बंद किताब और खुली किताब परीक्षण समस्या-आधारित कार्य व्यावहारिक असाइनमेंट प्रयोगशाला रिपोर्ट व्यावहारिक कौशल का अवलोकन व्यक्तिगत परियोजना रिपोर्ट (केस-स्टडी रिपोर्ट) टीम परियोजना रिपोर्ट संगोष्ठी प्रस्तुति सहित मौखिक प्रस्तुतियाँ मौखिक साक्षात्कार कम्प्यूटरीकृत अनुकूली मूल्यांकन, मांग पर परीक्षा, मॉड्यूलर प्रमाणन, आदि।

प्रत्येक पाठ्यक्रम एक परीक्षा पेपर के अनुरूप होगा जिसमें बाहरी और आंतरिक मूल्यांकन शामिल होंगे। मेजर, माइनर, ओपन/जेनेरिक और डीएससी (अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम) व्यावसायिक, मूल्य वर्धित, एसईसी (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) और एईसी (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) के लिए सेमेस्टर अंत सिद्धांत परीक्षाएं अनुमोदित परीक्षा नियमों के माध्यम से प्रख्यापित अवधि की होंगी। थ्योरी/प्रेक्टिकल/ट्यूटोरियल, आंतरिक, बाहरी परीक्षाओं के लिए क्रेडिट संरचना और एक परीक्षा के लिए कुल अंक यूजीसी मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम संरचना के अनुसार होंगे। छात्रों को विश्वविद्यालय के परीक्षा नियमों के अनुसार, संबंधित पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण घोषित होने के लिए अलग-अलग आंतरिक और बाहरी परीक्षाओं में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त करना होगा।

26.1 मूल्यांकन के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रमों के संबंध में उम्मीदवार के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्न पर आधारित होगा

26.1.1 अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएँ – कुल अंकों का 70% अंक और

26.1.2 सतत आंतरिक मूल्यांकन – कुल अंकों का 30%

26.2 अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं विष्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएंगी और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा की अवधि तीन या दो घंटे होगी।

26.3 प्रत्येक सेमेस्टर में कार्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए अंकों का न्यूनतम प्रतिशत अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं और निरंतर मूल्यांकन सहित प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40% होगा।

26.4 एक कार्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर में एक निर्दिष्ट संख्या में क्रेडिट होंगे। छात्र द्वारा संतोषजनक ढंग से उत्तीर्ण किए गए ग्रेड अंकों के साथ क्रेडिट की संख्या छात्र के प्रदर्शन को मापेगी।

26.5 सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में निम्नलिखित श्रेणियां होंगी:

26.5.1 उत्तीर्ण, अर्थात्, जो सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में आंतरिक और बाह्य परीक्षा में अलग-अलग उत्तीर्ण हुए हैं।

26.5.2 पदोन्नत (एटीकेटी), यानी, जिन्होंने किसी विशेष वर्ष में दोनों सेमेस्टर (सम और विषम) सहित न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हैं या जिन्होंने विषम सेमेस्टर में किसी भी संख्या में क्रेडिट अर्जित किया है।

26.5.3 डिटेंड, अर्थात्, जिन्हें उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार पदोन्नत नहीं किया गया है, उन्हें डिटेंड में लिया जाएगा। ऐसे छात्रों को इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक क्रेडिट (पहले से अर्जित क्रेडिट को छोड़कर) अर्जित करने के लिए अगले शैक्षणिक सत्र की परीक्षा में उपस्थित होना होगा और उसके बाद ही वह इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर कार्यक्रम जारी रख सकते हैं।

26.6 हालाँकि, किसी भी सेमेस्टर का कोई छात्र जिसे कम उपस्थिति के कारण रोका गया है/परीक्षा में उपस्थित नहीं हुआ है / परीक्षा के लिए आवेदन नहीं किया है / आवेदन किया है लेकिन उपस्थित नहीं हुआ है, उसे कार्यक्रम से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे छात्र को विष्वविद्यालय द्वारा अपनाई/अधिसूचित प्रक्रिया के माध्यम से पूर्व छात्र के रूप में अगले सत्र में प्रवेश लेना होगा।

27. सतत आंतरिक मूल्यांकन

27.1 सतत आंतरिक मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए आवंटित कुल अंकों का 30% होगा।

27.2 प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सतत आंतरिक मूल्यांकन के घटकों का निर्णय संबंधित विषय के अध्ययन बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

27.3 एटीकेटी छात्रों के मामले में सतत आंतरिक मूल्यांकन को आगे बढ़ाया जाएगा, किसी भी परिस्थिति में एटीकेटी छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

28 MOOCs और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन और प्रमाणन:

MOOCs, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, फील्ड प्रोजेक्ट्स/इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/सामुदायिक जुड़ाव और सेवा/शोध परियोजना के मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए विश्वविद्यालय/ SWAYAM portal/UGC के दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

29. लेटर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट

सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) की गणना किसी दिए गए सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन के माप के रूप में ग्रेड से की जाती है। SGPA वर्तमान अवधि के ग्रेड पर आधारित है, जबकि संचयी GPA (CGPA) अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में ग्रेड पर आधारित है।

उच्च शिक्षा संस्थान छात्रों के लाभ के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्राप्त अंकों और इन सभी मास्टर्स में प्राप्त अंकों के आधार पर भारित औसत का भी उल्लेख कर सकते हैं।

तालिका-3 : ग्रेडिंग प्रणाली

Letter Grade	GradePoints	Description	Range of Marks (%)
O	10	अति उत्कृष्ट	>90 to <=100
A+	9	उत्कृष्ट	>80 to <=90
A	8	बहुत अच्छा	>70 to <=80
B+	7	अच्छा	>60 to <=70
B	6	औसत से ऊपर	>50 to <=60
C	5	औसत	>40 to <=50
P	4	उत्तीर्ण	=40
F	0	असफल	<40
Ab	0	अनुपस्थित	Absent

SGPA और CGPA की गणना

यूजीसी सेमेस्टर ग्रेडपॉइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेडपॉइंट औसत (सीजीपीए) की गणना करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया की सिफारिश करता है:

i. एसजीपीए एक छात्र द्वारा लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेडपॉइंट के साथ क्रेडिट की संख्या के गुणनफल का योग और एक छात्र द्वारा किए गए पाठ्यक्रमों के क्रेडिट की संख्या का योग है, अर्थात्

$$SGPA(Si) = \frac{\sum(Ci \times Gi)}{\sum Ci}$$

जहाँ C_i 's पाठ्यक्रम के क्रेडिट की संख्या है और G_i 's पाठ्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड पॉइंट है।

SGPA की गणना के लिए उदाहरण

Semester	Course	Credit	LetterGrade	GradePoint	(CreditxGrade)
1	Course1	3	A	8	3 x8=24
1	Course1	4	B +	7	4 x7=28
1	Course1	3	B	6	3 x6=18
1	Course1	3	O	10	3 x10 = 30
1	Course1	3	C	5	3 x5=15
1	Course1	4	B	6	4 x6=24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

ii. संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना भी उसी तरीके से की जाती है, जिसमें छात्र द्वारा किसी कार्यक्रम के सभी सेमेस्टर्स में किए गए सभी पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखा जाता है, अर्थात्

$$CGPA = \frac{\sum(C_i \times S_i)}{\sum C_i}$$

जहाँ S_i आठवें सेमेस्टर का SGPA है और C_{ii} उस सेमेस्टर में क्रेडिट की कुल संख्या है।

CGPA की गणना के लिए उदाहरण

Semester1	Semester2	Semester3	Semester4
Credit 20	Credit 20	Credit 20	Credit 20
SGPA 6.9	SGPA 7.8	SGPA 5.6	SGPA 6.0
CGPA=(20 x6.9 +20x7.8+20x5.6 +20x6.0)/80 = 6.6			

एसजीपीए और सीजीपीए को 2 दशमलव बिंदु तक पूर्णांकित किया जाएगा और ट्रांसक्रिप्ट में रिपोर्ट किया जाएगा।

स्नातक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्रदान करने के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा करने पर, सीजीपीए की गणना की जाएगी, और यह मान प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पर दर्शाया जाएगा। 3-वर्षीय (6 सेमेस्टर) और 4-वर्षीय (8 सेमेस्टर) स्नातक डिग्री में तालिका 4 के अनुसार प्राप्त डिवीजन को भी दर्शाया जाना चाहिए:

तालिका-4: प्रभागों का वितरण

प्रभाग	मानदंड
विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी	उम्मीदवार ने 7.50 या उससे अधिक सीजीपीए के साथ डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट अर्जित किए हैं
प्रथम श्रेणी	उम्मीदवार ने 6.00 से अधिक लेकिन 7.50 से कम सीजीपीए के साथ डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट अर्जित किए हैं।
द्वितीय श्रेणी	उम्मीदवार ने 4.50 या उससे अधिक लेकिन 6.00 से कम सीजीपीए के साथ डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट अर्जित किए हैं।
तृतीय श्रेणी	उम्मीदवार ने 4.00 या उससे अधिक लेकिन 4.50 से कम सीजीपीए के साथ डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट अर्जित किए हैं।

अन्य शैक्षणिक मामलों में इसके अनुप्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सीजीपीए को प्रतिशत में परिवर्तित किया जाएगा।

समतुल्य प्रतिशत = सीजीपीए × 10 प्रतिशत को दूसरे दशमलव बिंदु तक पूर्णांकित किया जाएगा।

उम्मीदवार को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री तब प्रदान की जाएगी जब वह प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट सफलतापूर्वक अर्जित कर लेगा।

30. पदोन्नति नियम

30.1 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह किसी भी संख्या में बैंक पेपर के बावजूद प्रथम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के तुरंत बाद द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है।

30.2 कोई छात्र द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के तुरंत बाद अनंतिम रूप से तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित हो जाएगा और उसे तृतीय सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा, बशर्ते उसने प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हों।

30.3 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह तीसरे सेमेस्टर के तुरंत बाद चौथे सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है, भले ही तीसरे सेमेस्टर में कितने भी बैंक पेपर हों।

30.4 कोई छात्र चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद पांचवें सेमेस्टर में अनंतिम रूप से प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित किया जाएगा और उसे पांचवें सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा, बशर्ते उसने तीसरे और चौथे सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हों, इसके अलावा छात्र को पहले और दूसरे सेमेस्टर के सभी पेपर पास करने होंगे।

30.5 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह पांचवें सेमेस्टर के तुरंत बाद छठे सेमेस्टर में कितने भी बैंक पेपर के साथ प्रवेश ले सकता है।

30.6 विषम सेमेस्टर के बैंक पेपर की परीक्षाएं विषम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाएंगी, इसी तरह सम सेमेस्टर के बैंक पेपर की परीक्षाएं सम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाएंगी।

30.7 इसके अलावा, चौथे सेमेस्टर तक सभी पेपर पास करने वाले छात्रों के लिए 6वें सेमेस्टर के साथ 5वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

30.8 अंतिम सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के बाद 6वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी; केवल 6वें सेमेस्टर में बैंक पेपर वाले छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

30.9 कोई छात्र 6वें सेमेस्टर तक के सभी सेमेस्टर पास करने के बाद ही 7वें सेमेस्टर (यूजी का चौथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है।

30.10 कोई छात्र प्रदोन्नति पाएगा और 7वें सेमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद अनंतिम रूप से 8वें सेमेस्टर (यूजी का चौथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है, भले ही 7वें सेमेस्टर में बैंक पेपरों की संख्या कितनी भी हो। इसके अलावा, 7वें सेमेस्टर के बैंक पेपर पास करने के लिए 8वें सेमेस्टर के साथ 7वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

30.11 अंतिम सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद 8वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। सेमेस्टर के परिणामों के आधार पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। 8वें सेमेस्टर में बैंक पेपर वाले कोई भी छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होंगे।

30.12 कोई भी छात्र चौथे वर्ष के प्रारंभ होने से पहले निर्धारित तरीके से उसी के लिए आवेदन करके चौथे वर्ष में ऑनर्स कोर्स चुन सकता है। प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स की डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने तालिका 5 के अनुसार 160 क्रेडिट के बराबर या उससे अधिक के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम पूरा किया है।

30.13 इसके अलावा, जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75% या उससे अधिक अंक या समकक्ष 7.5 सीजीपीए प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में एक शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विभाग के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। उनके प्रोजेक्ट कार्य के शोध परिणाम सहकर्मि-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकते हैं या सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं या पेटेंट कराए जा सकते हैं।

30.14 यदि किसी छात्र को रोक दिया जाता है या उच्च सेमेस्टर में पदोन्नति नहीं किया जाता है, तो उसे तब तक रोका जाएगा जब तक कि उसके बैकलॉग पेपर पूरे नहीं हो जाते, जिसके लिए वह अगली उचित परीक्षा में भाग ले सकता है, बशर्ते कि यह कार्यक्रम के लिए अनुमत अधिकतम अवधि के भीतर किया गया हो। ऐसे छात्रों के सतत आंतरिक मूल्यांकन के अंक उस संबंधित पाठ्यक्रम के लिए आगे बढ़ाए जाएंगे जिसमें वह उपस्थित हो रहा है।

30.15 50% क्रेडिट की गणना के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों पाठ्यक्रमों पर विचार किया जाएगा और 0.5 को राउंड अप किया जाएगा।

31. ट्रांसक्रिप्ट जारी करना

लेटर ग्रेड, ग्रेड पॉइंट और एसजीपीए और सीजीपीए पर सिफारिशों के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के लिए ट्रांसक्रिप्ट और सभी सेमेस्टर में प्रदर्शन को दर्शाने वाली एक समेकित ट्रांसक्रिप्ट जारी करेगा।

32. क्रेडिट ट्रांसफर

32.1 क्रेडिट ट्रांसफर समय-समय पर यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बनाई गई विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।

32.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना और संचालन) विनियम 2021 के तहत स्थापित अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के सदस्य संस्थान समय-समय पर संशोधित इस विनियमन के प्रावधानों के अनुसार क्रेडिट स्वीकार और हस्तांतरित करेंगे।

32.3 अंतिम पदोन्नति के मामलों को छोड़कर, विश्वविद्यालय अपने बीच छात्रों के क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेंगे, हालांकि, छात्र को उस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम के लिए समानता रखते हुए कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता हो सकती है जिसमें छात्र प्रवेश चाहता है।

33. यदि इस अध्यादेश के प्रावधानों की व्याख्या के संबंध में कोई प्रश्न उठता है, तो इसे चर्चा और सिफारिशों के लिए प्रबंधन बोर्ड को भेजा जाएगा।

34. इस पाठ्यक्रम से संबंधित वैधानिक निकायों जैसे यूजीसी/एआईसीटीई/पीसीआई/बीसीआई/आरसीआई / सीएओ/किसी अन्य प्रासंगिक नियामक निकाय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों को कार्यान्वयन के लिए अपनाया जाएगा।

35. इस अध्यादेश के अंतर्गत नहीं आने वाले मामलों में विश्वविद्यालय के सामान्य नियम और विनियम लागू होंगे।

36. यदि यूजीसी भविष्य में इस संबंध में अपने विनियमों में कोई बदलाव अधिसूचित करता है, तो उसे विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद और प्रबंधन बोर्ड की मंजूरी के साथ मौजूदा अध्यादेश में शामिल किया जाएगा।

37. उपरोक्त के बावजूद, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट के लिए अध्ययन पाठ्यक्रम यूजीसी या संबंधित वैधानिक निकाय के प्रासंगिक नियमों और मानदंडों द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप होगा।

38. सामान्य

38.1 एक बार विद्यार्थी द्वारा उत्तीर्ण हो जाने के बाद, कार्यक्रम को दोहराने या उसमें सुधार करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

38.2 पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं होगा। हालांकि, विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार पुनर्मूल्यांकन की अनुमति है।

40. इस अध्यादेश में उल्लिखित कार्यक्रमों से संबंधित मौजूदा अध्यादेश सत्र 2024-25 से इस अध्यादेश के लागू होने के साथ निरस्त हो जाएंगे। इस अध्यादेश में उल्लिखित कार्यक्रमों से संबंधित मौजूदा अध्यादेश उन छात्रों पर लागू होगा जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 से पहले दाखिला लिया है।

Sem ester	Core (DSC)	Elective (DES)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition Course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A-1(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-1(4)							
	Discipline C-1(4)							
II	Discipline A-2(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-2(4)							
	Discipline C-2(4)							
<i>Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 44 credits in semester I and II</i>								Total = 44 Credits

III	Discipline A-3(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-3(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)	Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-3(4)					
	Discipline C-3(4)					
IV	Discipline A-4(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-4(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)	Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-4(4)					
	Discipline C-4(4)					
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV						Total = 88 Credits
V	Discipline A-5(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-5(4)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)		22 Credits
	Discipline B-5(4)					
	Discipline C-5(4)					
VI	Discipline A-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-6(4)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)		22 Credits
	Discipline B-6(4)					
	Discipline C-6(4)					
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI						Total = 132 Credits
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 7,8 & 9 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/Entrepreneurship(4+2)	22 Credits
VIII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic	22 Credits

		GE(4) courses OR All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			project/Entrepreneurship(4+2)	
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176</i>						Total = 176 Credits



SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

ANNEXURE-S-1

Logo in water mark
----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University
Logo

SAMPLE COPY FOR SIXTH

ANNEXURE-S-2

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA		EQUIVALENT PERCENTAGE		DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = $CGPA \times 10$

Date of Result

Registrar / Controller Examination



SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

ANNEXURE-S-3

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University
Logo

SAMPLE COPY FOR EIGHTH

ANNEXURE-S-4

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Controller of Examination

Registrar

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2024

क्रमांक एफ 3-10/2008/38-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-08-2024 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर.पी. पाण्डेय, उप-सचिव.

Atal Nagar, the 23rd August 2024

NOTIFICATION

No. F 3-10/2008/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 619/PU/S&O/2008/20503, Dated 26-07-2024 has approved the subsequent Ordinance No. 144 of Mats University, Gullu, Aarang, District-Raipur, Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

- 2/ The State Government hereby gives its approval for notification of these Ordinance in Official Gazette.
- 3/ The above Ordinance shall come into force with retrospective effect from 1st July, 2024.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
R. P. PANDEY, Deputy Secretary.

ORDINANCE NO. 144

GOVERNING

UNDERGRADUATE AND POSTGRADUATE PROGRAMS

offered by

MATS University, Raipur

AS PER NEP-2020

With effective from Session 2024-25

Ordinance under NEP for Certificate, Diploma, Under Graduate and Postgraduate programmes as per UGC Guidelines except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

Ordinance No. 144

Ordinance under NEP for Certificate, Diploma, Under Graduate and Postgraduate programmes as per UGC Guidelines except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

Preface

The introduction of the Four-Year Undergraduate Program (FYUP) and the new Flexible Postgraduate Program at MATS University represents a significant milestone in our commitment to academic excellence and innovation. These programs are meticulously designed in alignment with the visionary National Education Policy (NEP) 2020, which aims to revolutionize the Indian education system by making it more holistic, multidisciplinary, and flexible. Our goal is to equip students with the necessary skills and knowledge to thrive in an ever-changing global landscape.

The FYUP at MATS University is crafted to offer a broad-based education, providing students with the flexibility to customize their learning journey according to their aspirations and career goals. The program is structured with multiple entry and exit points, ensuring that students can gain valuable qualifications at various stages of their academic progression. This approach not only accommodates diverse learner needs but also aligns with global best practices in higher education.

A key feature of the FYUP is its entry and exit policy, which provides students with several opportunities to earn credentials throughout their academic journey. Students have the option to exit after completing the first year, earning a Certificate in their chosen discipline. This provides an early credential for those who may need to enter the workforce or pursue other opportunities. After completing the second year, students can exit with a Diploma, further enhancing their qualifications and employability. Those who complete the third year will be awarded a Bachelor's Degree, offering a solid academic foundation and preparation for various professional fields. Students who choose to complete the fourth year with a focus on research will be awarded a Bachelor's Degree with Research. This option is particularly beneficial for those intending to pursue advanced studies or careers in research and development.

The FYUP curriculum integrates core subjects, electives, and practical experiences, fostering critical

thinking, creativity, and a broad understanding of various disciplines. This multidisciplinary approach ensures that students are well-rounded and equipped to tackle complex real-world problems. The program emphasizes experiential learning, industry internships, and community engagement, ensuring that students are well-prepared to contribute meaningfully to society and the economy. By integrating interdisciplinary learning and innovative pedagogy, we aim to create well-rounded individuals who are not only experts in their respective domains but also responsible global citizens.

The new postgraduate programs at MATS University are designed to provide advanced academic and professional training, with a strong emphasis on flexibility and industry relevance. These programs cater to the diverse needs and aspirations of our students, ensuring that they are well-prepared for the demands of the modern world. The one-year postgraduate program is ideal for students who have completed a four-year undergraduate degree with research. It offers a focused and intensive learning experience, allowing students to gain specialized knowledge and skills in a shorter time frame. This program is particularly suited for those who wish to enhance their qualifications quickly and efficiently.

The two-year postgraduate program offers a comprehensive and in-depth academic experience. Students have the option to exit after the first year with a Postgraduate Diploma, providing an additional credential that can enhance their career prospects. This exit option ensures that students can still benefit from their studies even if they need to step away before completing the full program. The two-year program is designed to deepen students' expertise, foster innovative research, and enhance their problem-solving abilities. With a focus on industry engagement, internships, and community projects, our postgraduate curriculum ensures that graduates are well-prepared to contribute effectively to their chosen professions and society at large.

The admission process for postgraduate programs at MATS University gives due weightage to relevant work experience. This policy recognizes the value of practical knowledge and skills gained outside the academic environment, ensuring that our programs are accessible to a diverse range of students, including working professionals seeking to advance their careers. By valuing work experience, we acknowledge the importance of practical insights and real-world problem-solving abilities that enhance academic learning.

The postgraduate programs emphasize experiential learning, research, and industry engagement. By integrating these elements into the curriculum, we ensure that our graduates are not only academically proficient but also possess the practical skills and industry insights needed to excel in their chosen fields. This approach fosters innovation and prepares students to contribute effectively to the workforce and society. The programs are designed to bridge the gap between academic knowledge and industry needs,

ensuring that our graduates are job-ready and capable of driving progress in their respective domains. MATS University provides an inclusive and dynamic learning environment where students can thrive academically, personally, and professionally. The implementation of the FYUP and the new Flexible Postgraduate Program, as envisioned by NEP 2020, reflects our unwavering commitment to excellence in education. We strive to create a vibrant educational ecosystem that nurtures critical thinking, creativity, and lifelong learning. Our programs are designed to meet the evolving needs of students, educators, and the global community. We recognize the importance of adaptability in education, and our flexible entry and exit policies are a testament to this. By offering multiple pathways and acknowledging the diverse experiences of our students, we ensure that education at MATS University is accessible, relevant, and impactful.

1. Short Title and Commencement

- 1.1** The ordinance shall be called as ordinance for all the certificates, Diploma, Undergraduate and Postgraduate programmes as per the guidelines issued by UGC, New Delhi under National Education Policy 2020, except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.
- 1.2** This ordinance shall come into force from the academic session 2024-25.
- 1.3** The provision of the ordinance shall apply to the three year (six semester) Bachelor's Degree or Four year (eight semester) Bachelor's Degree (Honors/Honors with Research), one year/two-year Masters' degree programmes approved as per statutes no. 14 of the MATS University except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

Table 1

S. No.	Faculty	Programmes
1.	Faculty of Management	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Post Graduate Diploma • Bachelor of Business Administration (BBA) • Master of Business Administration (MBA) • Ph.D.
2.	Faculty of Information Technology	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Post Graduate Diploma • Bachelor of Science (B.Sc.) • Bachelor of Science (Honors) • Bachelor of Computer Application (BCA) • Master of Science (M.Sc.) • Master of Computer Application (MCA) • Ph.D.
3.	Faculty of Commerce	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Post Graduate Diploma • Bachelor of Commerce (B.Com.) • Bachelor of Commerce (Honors) • Master of Commerce (M. Com.) • Ph.D.
4.	Faculty of Science	<ul style="list-style-type: none"> • Bachelor of Science (B.Sc.) • Bachelor of Science (Honors) • Bachelor of Design • Master of Science (M.Sc.)

		<ul style="list-style-type: none"> • Master of Design • Ph.D.
5.	Faculty of Life Science	<ul style="list-style-type: none"> • Bachelor of Science (B.Sc.) • Bachelor of Science (Honors) • Master of Science (M.Sc.) • Ph.D.
6.	Faculty of Arts and Humanities	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Post Graduate Diploma • Bachelor of Arts (B.A.) • Bachelor of Arts (Honors) • Bachelor of Science (B.Sc.) • Bachelor of Science (Honors) • Bachelor in Social Work (BSW) • Bachelor of Library and Information Science (B.Lib.I.Sc.) • Master of Arts (M.A.) • Master in Social Work (MSW) • Master of Library and Information Science (M.L.I.Sc.) • Ph.D.
7.	Faculty of Engineering	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Bachelor of Technology (B.Tech.) • Bachelor of Technology (Honors) • Master of Technology • Ph.D.
8.	Faculty of Education	<ul style="list-style-type: none"> • Diploma • Post Graduate Diploma • Bachelor of Education (B.Ed.) • Integrated Teachers Education Program (ITEP) (B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed./B.Com.B.Ed.) • Master of Education (M.Ed.) • Bachelor of Physical Education (B.P.Ed.) • Master of Physical Education - M. P. Ed. • Ph.D.

2. Definition and keyword

- 2.1** “**Act**” means the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005 and subsequent amendments.
- 2.2** “**University**” means MATS University, Raipur Chhattisgarh established under Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act, 2005.
- 2.3** “**Student**” means one who has been admitted in the various programme of this University as per procedure decided by MATS University, Raipur for Admission to undergraduate/postgraduate/ degree, diploma and postgraduate diploma courses from time to time.
- 2.4** “**Choice Based Credits System (CBCS)**” means a program that provides choice for students to select from the prescribed courses (Core Courses, Mandatory Courses, Professional Core, Professional Elective, Open Elective, Minor Track, Value Added, Ability Enhancement, Skill Enhancement Courses etc.) as per the guidelines issued by UGC / relevant regulatory body where ever applicable and as approved by the appropriate bodies of the University.
- 2.5** “**Course**” means “papers” through different modes of delivery and is a component of a programme as detailed out in the respective program structure.
- 2.6** “**Credits Point**” means the product of grade point and number of credits for a course.
- 2.7** “**Credits**” means a unit by which the course work is measured. It determines the number of hours of instructions required per week. One credit is equivalent to one hour of teaching (lecture, tutorial or seminar) per week or two hours of practical work /field work/project etc. per week. The number of credits for each course shall be defined in the respective examination scheme.
- 2.8** “**Cumulative Grade Point Average (CGPA)**” means a measure of overall cumulative performance of a student in all semesters. The CGPA is the ratio of total credits points secured by a student in various courses registered up to the semester concerned and the sum of the total credit points of all the registered courses in those semesters concerned. It shall be expressed up to two decimal places.
- 2.9** “**Semester Grade Point Average (SGPA)**” means a measure of performance of a

student in a particular semester. It is the ratio of total credits points secured by a student in various courses registered in a semester and the total credits of all courses in that semester. It shall be expressed up to two decimal places.

- 2.10 "Grade Point"** means a numerical weight allotted to each letter grade on a 10-point scale or as prescribed by the University from time to time.
- 2.11 "Letter Grade"** means an index of the performance of students in a course. Grades are denoted by letters O, A+, A, B+, B, C, P, F and AB.
- 2.12 "Semester"** means an academic session spread over 14-20 weeks of teaching work. The odd semester may normally be scheduled from July to December and even semester from January to June.
- 2.13 "Grade Sheet"** means a certificate based on the grades earned. Grade sheet shall be issued to all the students registered for the examination after every semester. The grade sheet shall contain the course details (code, title, number of credits, grade secured) along with SGPA of the semester and CGPA earned till that semester. The final semester grade sheet shall also reflect the cumulative total of marks obtained by the student in all semesters out of maximum marks allocated for which the grades of the program were evaluated. However, the final result shall be based on the grades/CGPA.
- 2.14 "Transcript"** means a certificate issued to all enrolled students in a program after successful completion of the program. It contains the SGPA of all semesters and the CGPA.
- 2.15 "NEP"** means National Education policy-2020.
- 2.16 "NSQF"** means National Skills Qualifications Framework defined in NEP 2020.
- 2.17 "NHEQF"** means National Higher Education Qualification Framework defined in NEP 2020.
- 2.18 "UCF"** means Unified Credits Framework defined in NEP 2020.
- 2.19 "Undergraduate Certificate"** means students who completed the requirement of NHEQF Level 4.5/ UCF Level 5.

- 2.20 “Undergraduate Diploma”** means students who completed the requirement of NHEQF Level 5 / UCF Level 6.
- 2.21 “Bachelor Degree”** means students who completed the requirement of NHEQF Level 5.5/ UCF Level 7.
- 2.22 “Bachelor Degree (Honours/Honours with Research)”** means students who completed the requirement of NHEQF Level 6/ UCF Level 8.
- 2.23 “Postgraduate Degree”** 2 year PG: Students entering 2 year PG after a 3 year UG programme or 1 year PG: Students entering 1 year PG after a 4 year UG programme with Honors / Honors with Research.
- 2.24 “Postgraduate Diploma”** For the PG programme, there shall only be one exit point for those who join two-year PG programme. Students who exit at the end of 1st year shall be awarded a Postgraduate Diploma.
- 2.25 “Course Registration”** refers to the registration to courses of study in every semester by every student under the supervision of a faculty advisor (also called mentor, counsellor, class teacher, etc.), in the University to maintain the proper record.
- 2.26 “Course Evaluation”** represents the measurement of the impact of the teaching-learning process and offers an opportunity for improving the quality of learning in courses and teaching performance. Courses evaluation is done by adopting different methods such as tests, quizzes, assignments, etc., during the teaching-learning period at the end of some modules or chapters of syllabus contents and at the end of the semester. While the former part of the evaluation is called the continuous internal assessment and the later part of the evaluation is called end semester assessment.
- 2.27 “Credit Based Course Structure”** Each course carries a defined number of credits. The credits are based on the course structure, including the teaching mode and the number of contact hours for lecture, tutorial, and practical classes. Credits are based on the number of contact hours, course content, and teaching methodology and allotted maximum marks. The credits shall be awarded by the University. The credits can be calculated as follows:
- One hour of theory or one hour of tutorial or two hours of laboratory work per

week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit.

- Credits for internship shall be one credit per week of training, subject to a maximum of four credits in a semester.
- Project/Dissertation: two hours of Project/Research work per week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit.

2.28 "Academic Bank of Credits (ABC)" is a national-level facility which shall promote the flexibility of the curriculum framework and interdisciplinary/multidisciplinary academic mobility of students across the higher education institutions (HEIs) in the country with appropriate "credit transfer" mechanism.

2.29 "Multiple Entry and Exit" means the multiple entries and exit points in the academic programs offered at HEIs that would remove rigid boundaries and create new possibilities for students. There are occasions when learners have to give up their education mid-way for various reasons. To facilitate flexible learning within the stipulated period, multiple exit and entry options are given to the needy students. The student can exit from the program only at the end of the even semester/s (2nd, 4th, and 6th semester) and the entry option is provided to the students at the beginning of the odd semester/s (3rd, 5th and 7th semester).

3. **Eligibility for Admission:**

- 3.1** Admission rules and guidelines for admission to these programmes shall be as per rules and regulations framed by UGC and the State Government from time to time.
- 3.2** The student who has passed the Grade 12th Examination from CG Board of Secondary Education, Chhattisgarh or an equivalent examination from any other board recognized by the State and Central Government and other statutory bodies or fulfills eligible conditions as laid down by concerned regulatory body, in which case the later shall prevail to these Undergraduate Program.

Number of Seats:

- 3.3** Student enrolment in a programme shall be restricted to the seats duly approved by the Academic Council of the University. The additional increase in the seats can be done after the approval of Academic Council and Board of Management.
- 3.4** The in-take capacity shall be determined in advance by the University under the

provisions of this Ordinance and shall be applicable from the academic session 2024-25.

- 3.5** Depending upon the academic and physical facilities available, the University may earmark seats to a maximum of 10% of the seats sanctioned for the previous year of the programme for lateral entrants in the second year, third year, fourth year of a first-degree programme, if the students have successfully completed the first year/second year/third year of the same programme in any institution and wants to re-enter into the programme after a break in studies.

3.6 Admission and Supernumerary seats of International Students

1. The University may admit international students based on the equivalence of entry qualification held by them. The equivalence is to be determined by the University Grants Commission (UGC) or any other body recognised by UGC for such purpose or the concerned regulatory bodies of the country. The University may adopt a transparent admission process for admitting the international students.
2. The University may create up to 25% supernumerary seats for international students, over and above of their total sanctioned enrolment for undergraduate and postgraduate programmes. The decision regarding 25% supernumerary seats has to be carried out by the concerned higher educational institutions as per specific guidelines/regulations issued by the regulatory bodies considering the infrastructure, faculty and other requirements.
3. The 25% of the supernumerary seats for international students will not include the international students under exchange programmes offered through Memorandum of Understanding (MoU) between institutions or between Government of India and other countries.
4. Depending on the availability of infrastructure and qualified faculty, efforts should be made to distribute these 25% seats among all departments, schools, centres or any other academic unit of the higher educational institution, wherever possible.
5. The supernumerary seats shall be exclusively meant for the international students both in the Undergraduate and Post-graduate programmes. A seat remained unfilled in the supernumerary category, shall not be allocated to anyone other than an international student. International students in this context shall be defined as the one who shall possess a foreign passport.
6. The provision of creating supernumerary seats for international students should be formalized by way of approval of statutory body/bodies of the University in accordance with the guidelines/regulations issued by the regulatory bodies from time to time.

- 3.7** Documents required (TC/CC/Migration etc.) for admission to these programs by National or International students shall be as per guidelines issued by regulatory bodies or decided by the Academic Council with prior approval from the Board of

Management.

- 3.8** To enable multiple entry and exit points in the academic programmes, qualifications such as certificate, diploma, and degree are organized in a series of levels in an ascending order from level 4.5 to level 6. Level 4.5 represents Certificate, level 5 represents Diploma, level 5.5 represents Bachelor's degree and 6 represents Bachelor Degree (Honors/Honors with Research)/B.Tech./B.E./PG-Diploma. Qualification and minimum credit requirements are as mentioned in **Table-1**. The entry and exit options for students, who enter the undergraduate programme, shall be as under:

UG Certificate: Students who opt to exit after completion of the first year and have secured 40 credits shall be awarded a UG certificate if, in addition, they complete one vocational course of 4 credits during the summer vacation of the first year. These students are allowed to re-enter the degree programme within three years and complete the degree programme within the stipulated maximum period of seven years.

UG Diploma: Students who opt to exit after completion of the second year and have secured 80 credits shall be awarded the UG diploma if, in addition, they complete one vocational course of 4 credits during the summer vacation of the second year. These students are allowed to re-enter within a period of three years and complete the degree programme within the maximum period of seven years.

3 year UG Degree: Students who wish to undergo a 3-year UG programme shall be awarded UG Degree in the Major discipline after successful completion of three years, securing 120 credits and satisfying the minimum credit requirement.

4 year UG Degree (Honours): A four-year UG Honours degree in the major discipline shall be awarded to those who complete a four-year degree programme with 160 credits and have satisfied the credit requirements as given in **Table 1**.

4 year UG Degree (Honours with Research): Students who secure 75% marks and above in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate level can choose a research stream in the fourth year. They should do a research project or dissertation under the guidance of a faculty member of the University. The research project/dissertation shall be in the major discipline. The students who secure 160 credits, including 12 credits from a research project/dissertation, are awarded UG Degree (Honours with Research).

UG Degree Programmes with Single Major: A student has to secure a minimum of 50% credits from the major discipline for the 3-year/4-year UG degree to be awarded a single major.

UG Degree Programmes with Double Major: A student has to secure a minimum of 40% credits from the second major discipline for the 3-year/4-year UG degree to be awarded a double major.

Interdisciplinary UG Programmes: The credits for core courses shall be distributed among the constituent disciplines/subjects so as to get core competence in the interdisciplinary programme.

Multidisciplinary UG Programmes: In the case of students pursuing a multidisciplinary programme of study, the credits to core courses shall be distributed among the broad disciplines such as Life sciences, Physical Sciences, Mathematical and Computer Sciences, Data Analysis, Social Sciences, Humanities, etc.,

The statutory bodies of the University such as the Board of Studies and Academic Council shall decide on the list of courses under major category and credit distribution for double major, interdisciplinary and multidisciplinary programmes. Minimum Credit Requirements to Award Degree under Each Category

Table 1: Qualification Type and Credit Requirements.

NHEQF levels	Qualification title/nomenclature	Credit Requirements (Minimum)
Level 4.5	Undergraduate Certificate (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first year (2 semesters) of the undergraduate programme. (Programme duration: First year or 2 semesters of the undergraduate programme)	40 credits
Level 5	Undergraduate Diploma (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first two years (4 semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First two years or 4 semesters of the undergraduate programme)	80 credits
Level 5.5	Bachelor's Degree (examples: Bachelor of Arts; Bachelor of Science; Bachelor of Commerce; Bachelor of Business Administration, etc. (Programme duration: Three years or 6 semesters).	120 credits

Level 5.5	Bachelor of Vocation (B.Voc). (Programme duration: 3 years or 6 semesters).	120 credits
Level 6	Bachelor of Engineering (B.E.); Bachelor of Technology (B.Tech.) (Programme duration: Four years or 8 semesters).	160 credits
Level 6	B.A., B.Ed.; B.Sc., B.Ed.; B.Com., B.Ed. (4-year dual-degree Integrated Teacher Education Programme)	160 credits
Level 6	Bachelor's\ Degree (Honours/ Honours with Research). (Programme duration: Four years or 8 semesters).	160 credits
Level 6	Post-Graduate Diploma. For those who exit after successful completion of the first year or two semesters of the 2-year master's programme). (Programme duration: One year or 2 semesters).	40 credits
Level 6.5	Master's degree. (e.g. M.A.; M.Com., M.Sc.; etc.) (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a 3-year Bachelor's degree).	80 credits
Level 6.5	Master's degree (e.g. M.A.; M.Com., M.Sc.; etc.) (Programme duration: One year or 2 semesters after obtaining a 4- year Bachelor's degree (Honours/	40 credits
Level 7	Master's degree (e.g. ME; M.Tech. etc.) (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a Bachelor's degree (e.g. B.E., B.Tech.etc.).	80 credits
Level 8	Doctoral degree	Credits for course work and, a thesis and published work

Note: -

- Honours students not undertaking research shall do 3 courses for 12 credits in lieu of a research project/Dissertation.
- As per the guidelines promulgated by UGC/Statutory bodies, the university may allot additional credits in a manner that shall facilitate the students to meet the minimum credit requirements.

4. Curricular Components of the Undergraduate Programme

The curriculum consists of major stream courses, minor stream courses and courses from other disciplines, language courses, skill courses, and a set of courses on Environmental education, understanding India, Digital and technological solutions, Health & Wellness, Yoga education, and sports and fitness. At the end of the second semester, students can decide either to continue with the chosen major or request a change of major. The minor stream courses include vocational courses which shall help the students to equip with job-oriented skills.

5. Disciplinary/Interdisciplinary Major:

The major would provide the opportunity for a student to pursue in-depth study of a particular subject or discipline. Students may be allowed to change major within the broad discipline at the end of the second semester by giving her/him sufficient time to explore interdisciplinary courses during the first year. Advanced-level disciplinary/interdisciplinary courses, a course in research methodology, and a project/dissertation shall be conducted in the seventh semester. The final semester shall be devoted to seminar presentation, preparation, and submission of project report/dissertation. The project work/dissertation shall be on a topic in the disciplinary programme of study or an interdisciplinary topic.

6. Disciplinary/ Interdisciplinary Minor:

Students shall have the option to choose courses from disciplinary/interdisciplinary minors and skill-based courses relating to a chosen vocational education programme. Students who take a sufficient number of courses in a discipline or an interdisciplinary area of study other than the chosen major shall qualify for a minor in that discipline or in the chosen interdisciplinary area of study. A student may declare the choice of the minor and vocational stream at the end of the second semester, after exploring various courses.

7. Vocational Education and Training:

Vocational Education and Training shall form an integral part of the undergraduate programme to impart skills along with theory and practical. A minimum of 12 credits shall be allotted to the 'Minor' stream relating to Vocational Education and Training and these can be related to the major or minor discipline or choice of the student. These courses shall be useful to find a job for those students who exit before completing the programme.

8. Courses from Other Disciplines (Multidisciplinary) (9 Credits):

All UG students are required to undergo 3 introductory-level courses relating to any of the

broad disciplines given below. These courses are intended to broaden the intellectual experience and form part of liberal arts and science education. Students are not allowed to choose or repeat courses already undergone at the higher secondary level (12th class) in the proposed major and minor stream under this category.

- 8.1 Natural and Physical Sciences:** Students can choose basic courses from disciplines such as Natural Science, for example, Biology, Botany, Zoology, Biotechnology, Biochemistry, Chemistry, Physics, Biophysics, Astronomy and Astrophysics, Earth and Environmental Sciences, Microbiology, Forensic Science. etc.
- 8.2 Mathematics, Statistics, and Computer Applications:** Courses under this category shall facilitate the students to use and apply tools and techniques in their major and minor disciplines. The course may include training in programming software like Python among others and applications software like STATA, SPSS, Tally, etc. Basic courses under this category shall be helpful for science and social science in data analysis and the application of quantitative tools.
- 8.3 Library, Information, and Media Sciences:** Courses from this category shall help the students to understand the recent developments in information and media science (journalism, mass media, and communication).
- 8.4 Commerce and Management:** Courses include Business Management, Accountancy, Finance, Financial Institutions, Fintech, etc.
- 8.5 Humanities and Social Sciences:** The courses relating to Social Sciences, for example, Anthropology, Communication and Media, Economics, History, Linguistics, Political Science, Psychology, Social Work, Sociology, etc. shall enable students to understand the individuals and their social behaviour, society, and nation. Students be introduced to survey methodology and available large-scale databases for India. The courses under humanities include, for example, Archaeology, History, Comparative Literature, Arts & Creative expressions, Creative Writing and Literature, language(s), Philosophy, etc., and interdisciplinary courses relating to humanities. The list of Courses that can include interdisciplinary subjects such as Cognitive Science, Environmental Science, Gender Studies, Global Environment & Health, International Relations, Political Economy and Development, Sustainable Development, Women's and Gender Studies, etc. shall be useful to understand society.

9. Ability Enhancement Courses (AEC) (08 Credits): Modern Indian Language (MIL) & English Language Focused on Language and Communication Skills.

Students are required to achieve competency in a Modern Indian Language (MIL) and in the English language with special emphasis on language and communication skills. The courses aim

at enabling the students to acquire and demonstrate the core linguistic skills, including critical reading and expository and academic writing skills that help students articulate their arguments and present their thinking clearly and coherently and recognize the importance of language as a mediator of knowledge and identity. They would also enable students to acquaint themselves with the cultural and intellectual heritage of the chosen MIL and English language, as well as to provide a reflective understanding of the structure and complexity of the language/literature related to both the MIL and English language. The courses shall also emphasize the development and enhancement of skills such as communication, and the ability to participate/conduct discussion and debate.

10. Skills Enhancement Courses (SEC):

These courses are aimed at imparting practical skills, hands-on training, soft skills, etc., to enhance the employability of students. The University may design courses as per the students' needs and available resources.

11. Value-Added Courses (VAC) Common to All UG Students (6-8 Credits)

11.1 Understanding India: The course aims at enabling the students to acquire and demonstrate the knowledge and understanding of contemporary India with its historical perspective, the basic framework of the goals and policies of national development, and the constitutional obligations with special emphasis on constitutional values and fundamental rights and duties. The course would also focus on developing an understanding among student-teachers of the Indian knowledge systems, the Indian education system, and the roles and obligations of teachers to the nation in general and to the school/community/society. The course shall attempt to deepen knowledge about and understanding of India's freedom struggle and of the values and ideals that it represented to develop an appreciation of the contributions made by people of all sections and regions of the country, and help learners understand and cherish the values enshrined in the Indian Constitution and to prepare them for their roles and responsibilities as effective citizens of a democratic society.

11.2 Environmental science/education: The course seeks to equip students with the ability to apply the acquired knowledge, skills, attitudes, and values required to take appropriate actions for mitigating the effects of environmental degradation, climate change, and pollution, effective waste management, conservation of biological diversity, management of biological resources, forest and wildlife conservation, and sustainable development and living. The course shall also deepen the knowledge and understanding of India's environment in its totality, its interactive processes, and its effects on the future quality of people's lives.

- 11.3 Digital and technological solutions:** Courses in cutting-edge areas that are fast gaining prominences, such as Artificial Intelligence (AI), 3-D machining, big data analysis, machine learning, drone technologies, and Deep learning with important applications to health, environment, and sustainable living that shall be woven into undergraduate education for enhancing the employability of the youth.
- 11.4 Health & Wellness, Yoga education, sports, and fitness:** Course components relating to health and wellness seek to promote an optimal state of physical, emotional, intellectual, social, spiritual, and environmental well-being of a person. Sports and fitness activities shall be organized outside the regular University working hours. Yoga education would focus on preparing the students physically and mentally for the integration of their physical, mental, and spiritual faculties, and equipping them with basic knowledge about one's personality, maintaining self-discipline and self-control, to learn to handle oneself well in all life situations. The focus of sports and fitness components of the courses shall be on the improvement of physical fitness including the improvement of various components of physical and skills-related fitness like strength, speed, coordination, endurance, and flexibility; acquisition of sports skills including motor skills as well as basic movement skills relevant to a particular sport; improvement of tactical abilities; and improvement of mental abilities.

The University shall introduce other innovative value-added courses relevant to the discipline or common to all UG programmes as per requirement.

12. Indian Knowledge System

Course content related to Indian Knowledge System (IKS) shall also be incorporated in syllabus.

- A. IKS shall be an integral part of the UG course curriculum for all disciplines.
- B. The credits taken into IKS should be at least 5% of total mandated credits in Four Years UG programmes. At least 50% of the credits apportioned to the IKS shall be assigned to the core disciplinary and multidisciplinary courses. The students may be allowed to opt for internship/apprenticeship in any of the disciplines/topics that are part of IKS.
- C. In addition, University shall ensure to have minimum one/two paper in foundational courses of IKS preferably during the first four semester of UG programme with minimum three/four credit (Three Years/Four Years UG programmes respectively) as a part of Value added Course (VAC).
- D. The courses under IKS shall be categorized into Foundational Courses (Specialized to IKS) and Elective courses (Discipline Specific) in selected disciplines/multidiscipline.

- I. Foundational Courses: This will cover the basic knowledge of IKS and it may contain basic knowledge of Indian literature, Culture, Astronomy, Art & Crafts, Architecture, Music etc.
- II. Elective courses (Discipline Specific): It contains the advanced knowledge pertaining to the specific discipline such as Indian Mathematics and Indian Astronomy. This will be part of Major discipline.

13. Summer Internship /Apprenticeship (2 – 4 Credits)

A key aspect of the new UG programme is induction into actual work situations. All students shall also undergo internships / Apprenticeships in a firm, industry, or organization or Training in labs with faculty and researchers in their own or other HEIs research institutions during the summer term. Students shall be provided with opportunities for internships with local industry, business organizations, health and allied areas, local governments (such as panchayats, municipalities), Parliament or elected representatives, media organizations, artists, crafts persons, and a wide variety of organizations so that students may actively engage with the practical side of their learning and, as a by-product, further improve their employability. Students who wish to exit after the first two semesters shall undergo a 4-credit work-based learning/internship during the summer term in order to get a UG Certificate.

14. Community Engagement and Service:

The curricular component of ‘community engagement and service’ seeks to expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems. This can be part of summer term activity or part of a major or minor course depending upon the major discipline.

15. Field-Based Learning/Minor Project:

The field-based learning/ minor project shall attempt to provide opportunities for students to understand the different socio-economic contexts. It shall aim at giving students exposure to development-related issues in rural and urban settings. It shall provide opportunities for students to observe situations in rural and urban contexts, and to observe and study actual field situations regarding issues related to socioeconomic development. Students shall be given opportunities to gain a first-hand understanding of the policies, regulations, organizational structures, processes, and programmes that guide the development process. They would have the opportunity to gain an understanding of the complex socio-economic problems in the community, and innovative practices required to generate solutions to the identified problems. This may be a summer term project or part of a major or minor course depending on the subject of study.

16. Research Project / Dissertation

Students choosing a 4 Year Bachelor's degree (Honours with Research) are required to take up research projects under the guidance of a faculty member. The students are expected to complete the Research Project in the eighth semester. The research outcomes of their project work may be published in peer-reviewed journals or may be presented in conferences /seminars or may be patented.

The principle of calculating credits acquired by a candidate by virtue of relevant experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels (post-completion of an academic grade/ skill-based program) gained by the learner/student in the industry for PG programmes is given in the Table below:

Credit Assignment for relevant experience / proficiency

Experience cum Proficiency Levels	Description of the relevant Experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels	Weightage/ multiplication Factor	No. of years of experience (Only indicative)
Trained/ Qualification attained	Someone who has completed the coursework/ education/ training and has been taught the skills and knowledge needed for a particular job or activity	1	Less than or equal to 1 year
Proficient	Proficient would mean having the level of advancement in a particular profession, skillset, or knowledge	1.3 3	More than 1 less than or equal to 4
Expert	Expert means having high level of knowledge and experience in a trade or profession	1.6 7	More than 4 less than or equal to 7

Master	Master is someone having exceptional skill or knowledge of a subject/domain	2	More than 7
--------	---	---	-------------

17. Other Activities:

This component shall include participation in activities related to National Service Scheme (NSS), National Cadet Corps (NCC), adult education/literacy initiatives, mentoring school students, and other similar activities.

18. Massive Open Online Course (MOOC's)

MOOC's provide flexibility to learners to switch to alternative modes (offline, ODL, online learning & hybrid mode). The University as per the guidelines/recommendations received from UGC allows up to 40 percent (40%) of the total courses / credit units being offered in a semester of a programme offered through the SWAYAM/ NPTEL or any other online UGC approved platform.

The university shall develop its guidelines for the implementation of MOOC-based courses. These guidelines outline the process of course selection, credit transfer, and other relevant aspects to ensure a smooth integration of MOOCs into the curriculum.

19. Structure for Undergraduate Programme: Semester System

As per NEP and guidelines from UGC during the Three years Bachelor programme/Four years Bachelor with Honours/ Honours with Research, students get opportunities for multiple exits and entries in the programme with earning a Certificate/Diploma/Degree after the completion of required minimum credit units as per the **Table 1**:

* Student exiting the programme after securing 40 credits (Level 4.5: who shall be awarded UG Certificate) or 80 credits (Level 5: who shall be awarded UG Diploma) are also required to secure 4 additional credits in work/domain based vocational courses offered during summer term or industrial internship/apprenticeship.

The 4-year Bachelor's degree programme is considered a preferred option since it would provide the opportunity to experience the full range of holistic and multidisciplinary education in addition to a focus on the chosen major and minor as per the choice of the student. (**Table – II A & B**)

Table II A: Minimum credit requirement to award degree under each category

Sr. No.	Category of Course	Minimum Credit Requirement	
		3- Years UG Programmes	4- Years UG Programmes
1	Major (Core) Courses	60(50%)	80 (50%)
2	Minor (Elective) Courses	24	32
3	Multidisciplinary/Interdisciplinary/ Allied Courses	09	09
4	AEC (Ability Enhancement Courses)	08	08
5	SEC (Skill Enhancement Courses)	09	09
6	VAD (Value Added Courses) including Indian Knowledge System (IKS)	06-08	06-08
7	Summer Internship	02-04	02-04
8	Dissertation/(Research Project)		12
	Total Credits	120	160

Note:- Honours student not undertaking research will do three courses of 12 credits in lieu of a research project/desertation.

Table II B: The Semester-wise and Broad Course Category-wise Distribution of credits of the Undergraduate Programme:

Semester	Discipline Specific Courses Core	Minor	Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement courses (Language)	Skill Enhancement courses Internship/ Dissertation	Common Value-Added Courses	Total Credits
I	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses)	20
II	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses)	20

	Students exiting the programme after securing 40 credits shall be awarded UG Certificate in the relevant Discipline /Subject provided they secure 4 credits in work based vocational courses offered during summer term or internship / Apprenticeship / Skill Enhancement Course in addition to 6 credits from skill based courses earned during first and second semester.						40
III	(200 level)	(200 & above)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	-	20
IV	(200 level)	(200 & above) I -	--	(1 course)	-		20
	Students exiting the programme after securing 80 credits shall be awarded UG Diploma in the relevant Discipline /Subject provided they secure additional 4 credit in skill based vocational courses offered during first year or second year summer term.						80
V	(300 Level)	(200 & above)	-	-	(Internship)	-	20
VI	(300 Level)	(200 & above)	-	-	..	-	20
	Students who want to undertake 3-year UG programme shall be awarded UG Degree in the relevant Discipline /Subject upon securing 120 credits						120
VII	(400 Level)	(300 & above)	-		-	-	20
VIII	(400 Level)	(300 & above)	-		(Research Project/ Dissertation)		20
	Students shall be awarded UG Degree (Honours) with Research in the relevant						160
	Discipline (Subject provided they secure 160 credits)						

Note:

- a) Only the minimum total number of credits in each semester is indicated above. The University may decide the number of credits for each course (e.g., Major, Minor, Multidisciplinary, etc.) to fulfil the minimum number of credit requirements. The University may offer additional 10% credit if required.

- b) Students may be permitted to audit course(s) of their choice offered by the University provided they meet the pre-requisite for the course.
- c) Minor stream courses can be from the 3rd 300 or above level and 50% of the total credits from minors must be secured in the relevant subject/discipline and another 50% of the total credits from a minor can be earned from any discipline as per students' choice.
- d) Students are not allowed to take the same courses studied in the 12th class under the interdisciplinary category.
- e) 40% of the credits in any category may be earned through online courses approved by the University as per the existing UGC regulations.
- f) VIII-Semester core major may be seminar-based with students' presentations and discussions.
- g) Students may be encouraged to enroll in activities such as NSS/NCC.

Structure of PG-Programmes

For 2-year PG: Students entering 2-year PG after a 3-year UG programme can choose to do (i) only course work in the third and fourth semester or (ii) course work in the third semester and research in the fourth semester or (iii) only research in the third and fourth semester.

1-year PG: Students entering 1-year PG after a 4-year UG programme can choose to do (i) only coursework or (ii) research or (iii) coursework and research.

5-year Integrated Programme (UG+PG): At the PG level, the curricular component of 5-year integrated programme will be similar to that of 2-year PG mentioned above.

Credit Distribution

a) For 1-year PG

Curricular Components	PG Programme (one year) for 4-yr UG (Hons./Hons. with Research)			
	Minimum Credits			
	Course Level	Coursework	Research thesis/project/Patent	Total Credits
Coursework + Research	500	20	20	40

Coursework	500	40	--	40
Research	-	-	40	

b) For 2-year PG

Curricular Components		Two-Year PG Programme (Generic and Professional) Minimum Credits			
		Course Level	Coursework	Research thesis/project/Patent	Total Credits
PG Diploma		400	40	--	40
1 st Year (1 st & 2 nd Semester)		400 500	24 16	--	40
Students who exit at the end of 1 st year shall be awarded a Postgraduate Diploma					
2 nd Year (3 rd & 4 th Semester)	Coursework & Research	500	20	20	40
	Coursework	500	40	--	40
	(or) Research	--	--	40	40

Exit Point:

For those who join 2 year PG programmes, there shall only be one exit point. Students who exit at the end of 1st year shall be awarded a Postgraduate Diploma.

The PG programme should include vocational courses relevant to the chosen discipline.

Levels of Courses:

Courses shall be coded based on the learning outcomes, level of difficulty, and academic rigor. The coding structure is as follows:

- 0-99:** Pre-requisite courses required to undertake an introductory course which will be a pass or fail course with no credits. It will replace the existing informal way of offering bridge courses that are conducted in some of the colleges/ universities.
- 100-199:** Foundation or introductory courses that are intended for students to gain an

understanding and basic knowledge about the subjects and help decide the subject or discipline of interest. These courses may also be prerequisites for courses in the major subject. These courses generally would focus on foundational theories, concepts, perspectives, principles, methods, and procedures of critical thinking in order to provide a broad basis for taking up more advanced courses. These courses seek to equip students with the general education needed for advanced study, expose students to the breadth of different fields of study; provide a foundation for specialized higher-level coursework; acquaint students with the breadth of (inter) disciplinary fields in the arts, humanities, social sciences, and natural sciences, and to the historical and contemporary assumptions and practices of vocational or professional fields; and to lay the foundation for higher level coursework.

- iii. **200-299:** Intermediate-level courses including subject-specific courses intended to meet the credit requirements for minor or major areas of learning. These courses can be part of a major and can be pre-requisite courses for advanced-level major courses.
- iv. **300-399:** Higher-level courses which are required for majoring in a disciplinary/interdisciplinary area of study for the award of a degree.
- v. **400-499:** Advanced courses which would include lecture courses with practicum, seminar-based course, term papers, research methodology, advanced laboratory experiments/software training, research projects, hands-on-training, internship/apprenticeship projects at the undergraduate level or First year Postgraduate theoretical and practical courses.
- vi. **500-599:** Courses at first-year Master's degree level for a 2-year Master's degree programme
- vii. **600-699:** Courses for second-year of 2-year Master's or 1-year Master's degree programme
- viii. **700 -799 & above:** Courses limited to doctoral students.

20. Nomenclature of Undergraduate Programmes

The undergraduate degree programmes shall be of either 3-year or 4-year duration with multiple exit/entry options (Certificate/Diploma/Degree).

The UG programmes offered by the University shall be revised with new nomenclature as per the UGC Guidelines.

The Credit requirements for the undergraduate programmes, are given in **Table – I**.

21. Nomenclature of Postgraduate Programmes

The nomenclature of post-graduate programme/post-graduate diploma programme offered by

the university shall be as per the UGC guidelines.

22. Admission Paths for the Postgraduate Programme:

- a) Students shall be admitted to a two-year programme with the second year devoted entirely to research for those who have completed the three-year Bachelor's programme
- b) Students completing a four-year Bachelor's programme with Honours/Honours with Research, maybe admitted to a one-year Master's programme
- c) A student is eligible for admission in a PG programme either in the major or minor discipline taken by the student in his/her UG programme.
- d) Irrespective of the major or minor disciplines taken by a student in a UG programme, a student is eligible for admission in any discipline of PG programmes if the student qualifies the National level or University level entrance examination in the discipline of PG programme.
- e) Candidates who have completed 4-year UG programme or a 3 year UG and 2 year PG programme or 5 year integrated programme (UG + PG) in STEM subjects will be eligible for admission in M.E., M. Tech. in allied areas.
- f) There may be an integrated five-year Bachelor's/Master's programme.

Entry 5: The entry requirement for Level 6.5 is

- a) A Bachelor's Degree (Honours/Honours with Research) for the one-year/two-semester Master's degree programme.
- b) A Bachelor's Degree for the two-year/four-semester Master's degree programme.
- c) A Bachelor's Degree for the one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme.
- d) A programme of study leading to the Master's degree and Post-Graduate Diploma is open to those who have met the entrance requirements, including specified levels of attainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study is based on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of the applicant's ability to undertake postgraduate study in a specialist field of enquiry.

Exit 5: For postgraduate programmes, there shall only be one exit point for those who join the two-year Master's programme, that is, at the end of the first year of the Master's programme. Students who exit after the first year shall be awarded the Post-Graduate Diploma.

23. Credit Requirements of Postgraduate Programmes

- a) A one-year/two-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree with Honours/Honours with Research and requires 40 credits for individuals who have

- completed a Bachelor's degree with Honours/Honours with Research.
- b) The two-year/four-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree and requires a total of 80 credits from both years of the programme, with 40 credits in the first year and 40 credits in the second year of the programme at level 7.
- c) A one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme builds on a Bachelor's degree and requires 40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree.
- * A student shall be allowed to enter/re-enter only at the odd semester and can only exit after the even semester. Re-entry at various levels as lateral entrants in academic programmes should be based on the earned credits and proficiency test records.
- * The validity of credits earned shall be to a maximum period of seven years or as specified by the ABC. The procedure for depositing credits earned, its shelf life, redemption of credits, would be as per UGC (Establishment and Operationalization of Academic Bank of Credits (ABC) scheme in Higher Education) Regulations, 2021.

24. Norms for Duration, Entry Level Qualifications and Statutory Reservations for the Technical Programmes

To make the students employable after every exit, the skill component with progressive enhancement in skills in respective disciplines may be introduced in the curriculum right from the 1st year of the program by the concerned regulatory body/ University/ Technical Board, as the case may be. While allowing exit at the end of first year, institutes may prescribe mandatory skill course module on Technical Communication and Computer Proficiency (Data Entry etc.), Civil / Mechanical Draftsmanship, Electrical maintenance etc.

Sr. No	Academic Level	Entry Level Qualifications	Qualifications at Exit	NCrF Level
1	10th Std.		10th Standard	3.0
2	1st yr. of Diploma	10th Completed	A candidate exits with 10+1 year of Diploma; Certificate of Vocation (C. Voc.)	3.5
3a	12th Std.	Passed 11th std.	12th Standard	4.0

3b	2nd yr. of Diploma	A candidate completing 10+1 year of Diploma (C. Voc.) or equivalent vocational training with level 3.5 or passed 12th std.	A candidate exits with 10+2 years with Diploma of Vocation	4.0
4a	Third yr. of Diploma	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or equivalent vocational training with level 4	Diploma Engg.	4.5
4b	1st yr. of UG Degree	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or passed 12th std. or equivalent vocational training with level 4	UG Certificate	4.5
5	2nd yr. of UG Degree	A candidate with Diploma in appropriate branch of Engineering/ UG Certificate/ Equivalent Vocational or Technical Program level 4.5	UG Diploma (Engg)	5.0
6	3rd yr. of UG Degree	A candidate with 10+3+1/12+2/ UG Diploma (Engg.) in appropriate domain with level 5	B.Voc./ B.Sc	(Engg.)/ UG Degree
7	Final yr. of UG Degree	A candidate with 3 yrs. Bachelor degree in Vocation / B.Sc (Engg.)/ UG Degree with level 5.5	B.E./B. Tech./ UG	Degree (Hons.)
8	1st yr. of PG Degree	A candidate with 4 yrs. Bachelor(level 6.00)	PG Diploma/ M.Voc	6.5

9	Final Year of PG Degree	1 year of PG Degree/ PG Diploma/ M.Voc(Level 6.5) in appropriate domain	M Tech/ PG Degree (Engg.)/ PG Degree	7.0
10	Ph.D/ Fellow Program	B.Tech. with 75% Marks or equivalent CGPA/ PG		8.0

National Credit Framework (NCrF) for UG & PG programme in Engineering:

Students who exit after 2nd year of B.Tech. programme must undergo skill modules on IT/Hardware Networking / METLAB or Branch specific skill module. Course structure at 3rd year and 4th year of B.Tech. is already Engineering specific, students who exit after 3-years may be awarded UG Degree/ B. Voc/ B.Sc. (Engg.).

For Diploma students who exit after 1st year, Certificate of Vocation (C.Voc.) and who exit after 2nd year Industrial Training Certificate (ITC)/ Diploma of Vocation may be awarded.

At each entry level, University shall identify the educational gaps/ skill gaps and suitable bridge courses may be offered.

Specialization shall be as per the Respective Regulatory Bodies guidelines issued from time to time.

25. Attendance

Requirement of attendance shall be as per University Ordinance governing the examinations. In general, attendance of at least seventy-five percent shall be required in each course to appear in the end semester examination.

For special reasons such as prolonged illness deficiency in the percentage of attendance in each course may be condoned by the Vice Chancellor.

26. Examination & Evaluation

Evaluation shall be based on continuous assessment, in which sessional work and the terminal examination shall contribute to the final grade. Sessional work shall consist of class tests, mid-semester examination(s), homework assignments, etc., as determined by the faculty in charge of the courses of study. Progress towards achievement of learning outcomes shall be assessed using the following: time-constrained examinations; closed-book and open-book tests; problem-based assignments; practical assignment laboratory reports; observation of practical

skills; individual project reports (case-study reports); team project reports; oral presentations, including seminar presentation; viva voce interviews; computerized adaptive assessment, examination on demand, modular certifications, etc.

Each course shall correspond to an examination paper comprising of external and internal evaluations. The semester end theory examinations for Major, Minor, Open/Generic and DSC (Discipline specific Course) vocational, value added, SEC (Skill Enhancement Course) and AEC (Ability Enhancement Course) shall be of a duration as promulgated through the examination's regulations approved by the Academic Council of the University. The credit structure for theory/Practical/tutorial, internal, external examinations and total marks for an examination shall be as per the programme structure approved by the Academic Council of the University as per UGC norms. Students shall acquire a minimum passing mark in internal and external examinations separately to be declared as pass in the respective courses, as prescribed by the Academic Council.

26.1 The academic performance of a candidate shall be evaluated in respect of the courses of study prescribed for each semester through the evaluation. The evaluation of students admitted in the programme shall be based on

26.1.1 End Semester Examinations - 70% marks of total marks and

26.1.2 Continuous Internal Assessment - 30% of total marks

26.2 The End Semester examinations shall be held as per the academic calendar notified by the University and the duration of end semester examination shall be of three or two hours.

26.3 The minimum percentage of marks to pass the programme in each semester shall be 40% in each course comprising of end semester examinations and continuous evaluation.

26.4 A programme shall have a specified number of credits in each semester. The number of credits along with grade points that the student has satisfactorily cleared shall measure the performance of the student.

26.5 Semester examination results shall have following categories:

26.5.1 Passed, i.e., those who have passed in all courses of the semester examination in internal and external examination separately.

26.5.2 Promoted (ATKT), i.e., those who have earned minimum 50% of credits in a particular year including both the semesters (even and odd) or those who have earned any number of credit in odd semester.

26.5.3 Detained, i.e., those who are not promoted as per the above provisions shall be

detained. Such students have to appear in the examination of next academic session to earn required credits (excluding the credits already earned) as per the provisions of this ordinance and only then he/she may continue the programme within stipulated period as per the provisions of this ordinance.

- 26.6** However, a student of any semester who has been detained/ not appeared in examination due to less attendance/ not applied for examination/ applied but not appeared shall be out from the programme. Such a student has to take admission in the next session as an ex-student through the procedure adopted/notified by the University.

27. Continuous Internal Assessment

- 27.1** Continuous Internal Assessment shall be of 30% marks of total marks allotted for the course.
- 27.2** The components for continuous internal assessment for each course shall be decided by the Board of Studies of concerned subject.
- 27.3** Continuous Internal assessment shall be carried forward in case of ATKT students, there shall not be any provision of conducting internal assessment tests for ATKT students at any circumstances.

28 Evaluation and Certification of MOOCS and Vocational Courses:

The guidelines of the University/SWAYAM portal/UGC shall be followed for evaluation and certification of MOOCs, Vocational Courses, Field Projects/ Internship/ Apprenticeship/ Community engagement and service/ Honours with Research Project.

29. Letter Grades and Grade Points

The Semester Grade Point Average (SGPA) is computed from the grades as a measure of the student's performance in a given semester. The SGPA is based on the grades of the current term, while the Cumulative GPA (CGPA) is based on the grades in all courses taken after joining the programme of study.

The University may also mention marks obtained in each course and a weighted average of marks based on marks obtained in all the semesters taken together for the benefit of students.

Table-3: Grading System

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	>90 to <=100
A+	9	Excellent	>80 to <=90

A	8	Very Good	>70 to <=80
B+	7	Good	>60 to <=70
B	6	Above Average	>50 to <=60
C	5	Average	>40 to <=50
P	4	Pass	=40
F	0	Fail	<40
Ab	0	Absent	Absent

Computation of SGPA and CGPA

UGC recommends the following procedure to compute the Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA):

- I. The SGPA is the ratio of the sum of the product of the number of credits with the grade point scored by a student in all the courses taken by a student and the sum of the number of credits of all the courses undergone by a student, i.e.

$$\text{SGPA (Si)} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$$

Where C_i is the number of credits of the i th course and G_i is the grade point scored by the student in the i th course.

Example for Computation of SGPA

Semester	Course	Credit	Letter Grade	Grade point	(Credit x Grade)
1	Course 1	3	A	8	3 x 8 = 24
1	Course 1	4	B +	7	4 x 7 = 28
1	Course 1	3	B	6	3 x 6 = 18
1	Course 1	3	O	10	3 x 10 = 30
1	Course 1	3	C	5	3 x 5 = 15
1	Course 1	4	B	6	4 x 6 = 24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

- II. The Cumulative Grade Point Average (CGPA) is also calculated in the same manner taking into account all the courses undergone by a student over all the semesters of a programme, i.e.

$$CGPA = \sum(C_i \times S_i) / \sum C_i$$

where S_i is the SGPA of the i th semester and C_i is the total number of credits in that semester. Example for Computation of CGPA

Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4
Credit 20 SGPA 6.9	Credit 20 SGPA 7.8	Credit 20 SGPA 5.6	Credit 20 SGPA 6.0
CGPA = $(20 \times 6.9 + 20 \times 7.8 + 20 \times 5.6 + 20 \times 6.0) / 80 = 6.6$			

The SGPA and CGPA shall be rounded off to 2 decimal points and reported in the transcripts.

On completing all requirements for the award of the undergraduate certificate/ diploma/ degree, the CGPA shall be calculated, and this value shall be indicated on the certificate /diploma/degree. The 3-years (6 semester) and 4-years (8 semester) undergraduate degrees should also indicate the Division obtained as per **Table 4:**

Table 4: Distribution of Divisions

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits for the award of the degree with CGPA of 7.5 or above
First division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.0 above but less than 7.5
Second division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.5 or above but less than 6.0
Third Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 4.5

Note:- The conversion of CGPA into percentage shall be as followed to facilitate its application in other academic matters.

Equivalent Percentage = $CGPA \times 10$. The percentage shall be rounded off up to the second decimal point.

The candidate shall be awarded a certificate/diploma/degree when he/she successfully earns the minimum required credits for the certificate/diploma/degree.

30. Promotion Rule

- 30.1** A Student shall be promoted and may take admission in the 2nd semester immediately after the 1st semester end examination irrespective of any number of back papers.
- 30.2** A student may take admission in the 3rd semester provisionally, immediately after the 2nd semester end examination and his/her admission shall be confirmed and she/he shall be promoted to the 3rd semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 1st and 2nd semesters.
- 30.3** A student shall be promoted and may take admission in the 4th semester immediately after the 3rd semester irrespective of any number of back papers in 3rd semester.
- 30.4** A Student may take admission in the 5th semester provisionally, immediately after the 4th Semester examination and his/her admission shall be confirmed and he/she shall be promoted to the 5th semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 3rd and 4th semesters, Further student must clear all the papers of 1st and 2nd semesters.
- 30.5** A student shall be promoted and may take admission in the 6th semester immediately after the 5th semester with any number of back papers.
- 30.6** Examinations of back papers of odd semesters shall be conducted along with odd semester end examinations, similarly examinations of back papers of even semesters shall be conducted along with even semester end examinations.
- 30.7** Further, a special examination of the 5th semester shall be conducted along with the 6th semester for the students who have cleared all the papers till 4th semester.
- 30.8** A special examination of the 6th semester shall be conducted after the declaration of end semester result; those students having back papers only in the 6th semester shall be eligible to appear in this special examination.
- 30.9** A student may take admission in the 7th semester (Fourth year of UG) only after clearing all the semesters up to the 6th semester.
- 30.10** A student shall be promoted and may take admission in 8th semester (Fourth year of

UG) provisionally, immediately after the 7th semester examination irrespective of number of back papers in the 7th semester. Further, a special examination of the 7th semester shall be conducted along with the 8th semester for clearing the back papers of 7th semester.

- 30.11** A special examination of the 8th semester shall be conducted soon after declaration of the semester results. Any student having back papers in 8th semester shall be eligible to appear in this special examination.
- 30.12** A student may choose honours course in the fourth year before the commencement of the fourth year by applying for the same, in a manner laid down for the same. A four-year UG Honours degree in the major discipline shall be awarded to those who complete a four-year degree programme with greater or equal to 160 credits as per Table 5.
- 30.13** Further students who secure 75% marks or above or equivalent 7.5 CGPA in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate level can choose a research stream in the fourth year. They should do a research project or dissertation under the guidance of a faculty member of the department. The research project/dissertation shall be in the major discipline. The research outcomes of their project work may be published in peer-reviewed journals or may be presented in conferences/ seminars or may be patented.
- 30.14** In case a student is detained or not promoted to higher semester, he/she shall be held up till the backlog papers are cleared for which he/she can take attempt in the next appropriate examination provided that the same is done within the maximum duration allowed for the programme. Continuous internal assessment marks of such students shall be carried forward for the corresponding course in which he/she is appearing.
- 30.15** For counting 50% credits both theory as well as practical courses shall be considered and 0.5 shall be rounded up.

31. Issue of Transcript

Based on the recommendations on Letter grades, grade points and SGPA and CGPA, the university shall issue the transcript for each semester and a consolidated transcript indicating the performance in all semesters.

32. Credit Transfer

- 32.1** The credit transfer shall be implemented as per the policy of the University framed in accordance with the guidelines issued by the UGC from time to time.
- 32.2** The member institutions of the Academic Bank of Credit established vide University

Grants Commission (Establishment and Operation of Academic Bank of Credits in Higher Education) Regulations 2021 shall accept and transfer the credits as per the provisions of this regulation as amended from time to time.

- 32.3** Except for the cases of provisional promotions, the university shall facilitate credit transfer of students between them however, the student may be required to fulfil some eligibility criteria, drawing parity for a course, framed by the University in which the student seeks admission.
- 33.** If any question arises relating to the interpretation of the provisions of this ordinance, it shall be referred to the Board of Management for discussion and recommendations.
- 34.** The guidelines, related to this programme, issued from time to time by the statutory bodies e.g., UGC or any other relevant regulatory body shall be adopted for implementation.
- 35.** In matters not covered under this Ordinance, general rules and regulations of the University shall be applicable.
- 36.** If UGC notifies any change in future in its Regulations in this regard, the same shall be incorporated in the existing Ordinance with the approval by the Academic Council and Board of Management of the University.
- 37.** Notwithstanding the above, the University shall ensure that the study programme leading to degree/diploma/certificate shall confirm, to the standard set by the relevant regulations and norms of the UGC or the relevant statutory body.

38. General

- 38.1** There shall not be any provision for repeat or improvement of the programme, once student has cleared it.
- 38.2** There shall not be any provision of revaluation. However, re-totaling is permissible as per the University rule.
- 38.3** Exit options shall be available only at the end of even semesters and entry options shall be available only in the beginning of odd semesters with the prevailing syllabus.
- 38.4** If the candidate appears for 2nd semester end examination and discontinued for 3rd semester and wishes to take admission for 4th semester in future, such candidates shall not be allowed for 4th semester. Such candidate shall again seek admission to 3rd semester as per University regulation. This is also applicable to other odd semesters.
- 38.5** Any points related to NHEQF not covered under this ordinance shall be as prescribed by the University through its ordinance/regulation/guidelines from time to time.
- 38.6** If any question arises related to the matters not covered in the ordinance, the relevant provisions made in the ordinance/ statutes of the university or UGC shall be applicable.

- | Seme
ster | Core
(DSC) | Elective
(DES) | Generic
Elective (GE) | Ability
Enhanc
ement
Course
(AEC) | Skill
Enhancement
Course (SEC) | Intern
ship/
Appre
ntices
hip/Pr
oject
(2) | Value
addition
Course
(VAC) | Total
Credits |
|---|-----------------------|--|---|---|---|---|---|-----------------------------------|
| I | Discipline
A-1(4) | | Choose one
from a pool of
courses GE-1
(4) | Choose
one
from a
pool of
AEC
courses
(2) | Choose one from
a pool of courses
(2) | | Choose
one from
a pool of
courses
(2) | 22
Credits |
| | Discipline
B-1(4) | | | | | | | |
| | Discipline
C-1(4) | | | | | | | |
| II | Discipline
A-2(4) | | Choose one
from a pool of
courses GE-2
(4) | Choose
one
from a
pool of
AEC
courses
(2) | Choose one from
a pool of courses
(2) | | Choose
one from
a pool of
courses
(2) | 22
Credits |
| | Discipline
B-2(4) | | | | | | | |
| | Discipline
C-2(4) | | | | | | | |
| Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 44 credits in semester I and II | | | | | | | | Total =
44
Credits |
| III | Discipline
A-3(4) | Choose one from a pool of
courses DSE A/B/C (4)
Or
Choose one from a pool of
courses GE-3(4) | Choose
one
from a
pool of
AEC
courses
(2) | Choose one SEC OR
Internship/Apprenticeship/
Project/community
outreach (2) | | Choose
one from
a pool of
courses
(2) | 22
Credits | |
| | Discipline
B-3(4) | | | | | | | |
| | Discipline
C-3(4) | | | | | | | |
| IV | Discipline
A-4(4) | Choose one from a pool of
courses DSE A/B/C (4)
Or
Choose one from a pool of
courses GE-4(4) | Choose
one
from a
pool of
AEC | Choose one SEC OR
Internship/Apprenticeship/
Project/community
outreach (2) | | Choose
one from
a pool of
courses
(2) | 22
Credits | |
| | Discipline
B-4(4) | | | | | | | |
| | Discipline | | | | | | | |

	C-4(4)		courses (2)				
<i>Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV</i>						Total = 88 Credits	
V	Discipline A-5(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE- 5(4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		22 Credits
	Discipline B-5(4)						
	Discipline C-5(4)						
VI	Discipline A-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE- 6(4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		22 Credits
	Discipline B-6(4)						
	Discipline C-6(4)						
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI</i>						Total = 132 Credits	
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 7,8 & 9 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/Entreprene urship(4+2)	22 Credits	
VIII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/Entreprene urship(4+2)	22 Credits	
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176</i>						Total = 176 Credits	

University
Logo

SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

ANNEXURE-S-1Logo in water mark
----- Name of the University -----GRADE SHEETName of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University
Logo

SAMPLE COPY FOR SIXTH

ANNEXURE-S-2

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA		EQUIVALENT PERCENTAGE		DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination



SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

ANNEXURE-S-3

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

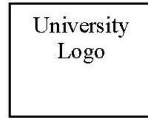
SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

--

Registrar / Controller Examination



SAMPLE COPY FOR EIGHTH

ANNEXURE-S-4

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Controller of Examination

Registrar